www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 परंपरागत एवं आधुनिक चिकित्सा में...
3 राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत सर्वश्रेष्ठ...
4 एंटी नारकोटिक सेल द्वारा नशा तस्कर काबू...

वर्ष: 9 | अंक: 83 | दिल्ली, गुरुवार, 16 जनवरी 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

प्रधानमंत्री ने नवी मुंबई में इस्कॉन के श्री श्री राधा मदनमोहनजी मंदिर का किया उद्घाटन

भारत भौगोलिक सीमाओं से घिरा हुआ एक टुकड़ा मात्र नहीं है, यह एक जीवंत भूमि है, एक जीवंत संस्कृति है: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

संजना भारती/पीआईबी

नवी मुंबई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवी मुंबई के खारघर में श्री श्री राधा मदनमोहनजी मंदिर का उद्घाटन किया, जो एक इस्कॉन परियोजना है। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस दिव्य समारोह में भाग लेना उनके लिए सौभाग्य की बात है और उन्होंने इस्कॉन के संतों के अपार स्नेह और गर्मजोशी के साथ-साथ श्रील प्रभुपाद स्वामी के आशीर्वाद के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने सभी पूज्य संतों के प्रति आभार व्यक्त किया और उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने श्री राधा मदनमोहनजी मंदिर परिसर के डिजाइन और अवधारणा पर प्रकाश डाला, जो आध्यात्मिकता और ज्ञान की पूरी परंपरा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मंदिर 'एको अहम बहु स्याम' के विचार को व्यक्त करते हुए दिव्य के विभिन्न रूपों को प्रदर्शित करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नई पीढ़ी की रुचि और आकर्षण को पूरा करने के लिए रामायण और महाभारत पर आधारित एक संग्रहालय का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त, वृंदावन के 12 वनों से प्रेरित एक उद्यान विकसित किया जा रहा है। श्री मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि मंदिर

परिसर आस्था के साथ-साथ भारत की चेतना को समृद्ध करने वाला एक पवित्र केंद्र बनेगा। उन्होंने इस नेक प्रयास के लिए इस्कॉन के सभी संतों और सदस्यों और महाराष्ट्र के लोगों को बधाई दी।

इस अवसर पर पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज का भावपूर्ण स्मरण करते हुए श्री मोदी ने कहा कि भगवान कृष्ण के प्रति गहरी भक्ति में निहित महाराज का दर्शन और आशीर्वाद इस परियोजना के अभिन्न अंग हैं। उन्होंने कहा कि महाराज भले ही शारीरिक रूप से मौजूद नहीं हैं, लेकिन उनकी आध्यात्मिक उपस्थिति सभी ने महसूस की। प्रधानमंत्री ने कहा कि महाराज के स्नेह और यादों का उनके जीवन में विशेष स्थान है। उन्होंने दुनिया की सबसे बड़ी गीता के अनावरण के लिए महाराज द्वारा आमंत्रित किए जाने और श्रील प्रभुपाद जी की 125वीं जयंती के दौरान उनका मार्गदर्शन प्राप्त करने को याद किया। प्रधानमंत्री ने महाराज के एक और सपने के साकार होने पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की। श्री मोदी ने कहा, "दुनिया भर में इस्कॉन के अनुयायी भगवान कृष्ण के प्रति अपनी भक्ति से एकजुट रहते हैं।" उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि एक और जोड़ने वाला सूत्र श्रील प्रभुपाद स्वामी की शिक्षाएं हैं, जो भक्तों का चौबीसों घंटे मार्गदर्शन करती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्रील प्रभुपाद स्वामी ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वेदों, वेदांत और गीता के महत्व को बढ़ावा दिया और भक्ति वेदांत को आम लोगों की चेतना से जोड़ा। उन्होंने आगे कहा कि 70 वर्ष की आयु में, जब

हमारी आध्यात्मिक संस्कृति का मुख्य आधार सेवा भाव है: प्रधानमंत्री

अधिकांश लोग अपने कर्तव्यों को पूरा हुआ मानते हैं, श्रील प्रभुपाद स्वामी ने इस्कॉन मिशन की शुरूआत की और भगवान कृष्ण के संदेश को हर कोने में फैलाते हुए पूरी दुनिया की यात्रा की। आज, दुनिया भर में लाखों लोग उनके समर्पण से लाभान्वित होते हैं। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि श्रील प्रभुपाद स्वामी के सक्रिय प्रयास हमें निरंतर प्रेरित करते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत एक असाधारण और अद्भुत भूमि है, न केवल भौगोलिक सीमाओं से घिरा हुआ भूमि का एक टुकड़ा, बल्कि जीवंत संस्कृति वाला एक जीवंत देश है"। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस संस्कृति का सार आध्यात्मिकता है और भारत को समझने के लिए सबसे पहले आध्यात्मिकता को अपनाना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जो लोग दुनिया को केवल भौतिक दृष्टिकोण से देखते हैं, वे भारत को विभिन्न भाषाओं और प्रांतों के संग्रह के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई अपनी आत्मा को इस सांस्कृतिक चेतना से जोड़ता

है, तो वह वास्तव में भारत को देख पाता है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सुदूर पूर्व में चैतन्य महाप्रभु जैसे संत बंगाल में प्रकट हुए, जबकि पश्चिम में नामदेव, तुकाराम और ज्ञानेश्वर जैसे संतों का महाराष्ट्र में प्रादुर्भाव हुआ। श्री मोदी ने कहा कि चैतन्य महाप्रभु ने महावाक्य मंत्र को जन-जन तक पहुंचाया और महाराष्ट्र के संतों ने 'रामकृष्ण हरि' मंत्र के माध्यम से आध्यात्मिक अमृत साझा किया। उन्होंने कहा कि संत ज्ञानेश्वर ने ज्ञानेश्वरी गीता के माध्यम से भगवान कृष्ण के गहन ज्ञान को लोगों तक पहुंचाया। इसी तरह, श्रील प्रभुपाद ने इस्कॉन के माध्यम से गीता को लोकप्रिय बनाया, टीकाएं प्रकाशित कीं और लोगों को इसके सार से जोड़ा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अलग-अलग स्थानों और समय में जन्म लिए इन संतों ने अपने-अपने अनूठे तरीकों से कृष्ण भक्ति की धारा को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि उनके जन्म काल, भाषा और तरीकों में अंतर के बावजूद, उनकी समझ, विचार और चेतना एक थी और उन सभी ने भक्ति के प्रकाश से समाज में नये जीवन का संचार किया, इसे नई दिशा और ऊर्जा दी।

संक्षिप्त समाचार

चुनाव से पहले मुश्किल में प्रवेश वर्मा, दिल्ली पुलिस ने दर्ज की शिकायत

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन क्षेत्र में वाल्मिकी कॉलोनी में जूते बांटकर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के आरोप में नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। घटना के संबंध में चुनाव आयोग द्वारा मंदिर मार्ग SHO को लिखे गए पत्र के बाद एफआईआर दर्ज की गई थी। नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर ने 15 जनवरी को SHO को एक पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने कहा कि शिकायत में दो कथित वीडियो साझा किए गए थे, जिसमें वर्मा को निर्वाचन क्षेत्र की महिलाओं को जूते बांटते देखा जा सकता है। शिकायत के आधार पर, आरओ ने एसएचओ को जांच शुरू करने और प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया। प्रवेश वर्मा नई दिल्ली सीट से आप के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। नई दिल्ली विधानसभा सीट त्रिपक्षीय मुकाबले के लिए तैयार है क्योंकि कांग्रेस ने दिल्ली की पूर्व सीएम शीला दीक्षित के बेटे और पार्टी के वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित को मैदान में उतारा है।

भोजपुर, मधेपुरा सहित छह जिलों में गंगा-कोसी नदियों पर बनेंगे पीपा पुल-सम्राट चौधरी

पटना (एजेन्सी)। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार ने राज्य के भोजपुर, बक्सर, मधेपुरा, खगड़िया, समस्तीपुर और वैशाली जिलों में गंगा और कोसी नदियों पर तीन बडे.पीपा पुल बनाने के लिए 56 करोड़ 81 लाख से अधिक राशि मंजूर की, जिससे इन नदियों के दोनों ओर बसे सैंकड़ों गावों के लगभग 10 लाख लोगों को आवागमन की सुविधा मिलेगी और नावों पर इनकी निर्भरता समाप्त हो जाएगी। चौधरी ने कहा कि भोजपुर जिला अन्तर्गत महुली घाट से सिताब दियारा के बीच गंगा नदी पर प्रस्तावित 732 मीटर लंबा पीपा पुल बिहार के (भोजपुर जिला) और उत्तर प्रदेश के सिताब दियरा (बलिया जिला) के दर्जनों गांवों को जोड़ने वाला होगा। इसके लिए कुल 1520,06 लाख रुपए (पन्द्रह करोड़ बीस लाख छः हजार) की स्वीकृति दी गई है। चौधरी ने कहा कि मधेपुरा से खगड़िया के बीच कोसी नदी पर मधेपुरा के जीरो माइल से कपासिया घाट के बीच 500 मीटर लंबाई में 25.13 करोड़ रुपये की लागत से पीपा पुल का निर्माण होगा।

कांग्रेस की नीयत में ही खोट, झूठ में मत फंसा करो: नायब सैनी

'प्रदेश की भाजपा सरकार बिना भेदभाव पूरे प्रदेश का विकास करवा रही है'

संजना भारती संवाददाता

रोहतक। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी बुधवार को रोहतक पहुंचे थे। यहां उन्होंने नए बस स्टैंड के सामने स्वतंत्रता सैनानी पंडित श्रीराम शर्मा की प्रतिमा का अनावरण किया। इसके बाद उन्होंने जनसभा को संबोधित भी किया। जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम सैनी ने कांग्रेस पर जमकर जुबानी हमला किया।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा है कि कांग्रेस की नीयत में ही खोट है। उनके झूठ में मत फंसा करो। प्रदेश की भाजपा सरकार बिना भेदभाव पूरे प्रदेश का विकास करवा रही है। ठोहले अनुसार नौकरी देने का वायदा करने वाले क्या करें। साथ में सीएम सैनी ने यह दावा भी कर दिया कि 2029 में भी प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने पंडित श्रीराम शर्मा विचार मंच की ओर से रखी छह मांगों को मंजूर करते हुए कहा कि एमडीयू में पंडित श्रीराम शर्मा के नाम से चेयर स्थापित होगी। प्रदेश में किसी एक

शिक्षण संस्था का पंडित श्रीराम शर्मा के नाम पर नामकरण होगा। नए बस स्टैंड के सामने स्थापित पंडित श्रीराम शर्मा की प्रतिमा के पास 30 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज लगाया जाएगा।

स्कूलों में एक अक्तूबर को पंडित श्रीराम शर्मा जयंती मनाई जाएगी। मौके पर केबिनेट मंत्री डॉक्टर अरविंद शर्मा, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, बहादुरगढ़ के विधायक राजेश जून, नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव, पंडित श्रीराम शर्मा विचार मंच के अध्यक्ष डॉक्टर अशोक दीक्षित, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, पूर्व मेयर रेणु डाबला, जिला परिषद चेयरपर्सन मंजू हुड्डा व अन्य लोग भी मौजूद रहे।

अमित शाह ने लगभग 241 करोड़ रु. की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया

(एजेन्सी)।

गुजरात। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात के माणसा में लगभग 241 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी जी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने गुजरात के लोगों की प्यास बुझाने का काम किया। उन्होंने कहा कि पहले जमीन से 1200 फुट नीचे पानी उपलब्ध होता था, लेकिन नरेन्द्र मोदी जी ने मुख्यमंत्री के तौर पर कच्छ और सौराष्ट्र से लेकर पूरे गुजरात में भूजलस्तर को ऊपर लाने का काम किया और सबसे पहले नर्मदा योजना पूरी की। श्री शाह ने कहा कि मोदी जी ने नर्मदा योजना में पैदा किए गए सभी अवरोधों को दूर किया और योजना का कार्य पूरा किया।

उन्होंने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद नर्मदा नदी का पानी हर घर तक पहुंचा और भरुच से लेकर खावडा तक नहर का निर्माण कार्य पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने गुजरात के 9 हजार से ज्यादा तालाबों में पानी डलवाया और वर्षा के पानी की बबार्दी रोककर सौराष्ट्र के हर गांव में पानी पहुंचाने का काम किया।

सीएम आतिशी ने एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2025 का किया दौरा

सीएम ने इस कार्यक्रम के दौरान 'गार्ड ऑफ ऑनर' का निरीक्षण किया

संजना भारती/संजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने 15 जनवरी, 2025 को दिल्ली कैंट में एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर का दौरा किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि एनसीसी में अपनी भागीदारी के जरिये कैडेट्स न सिर्फ अपने व्यक्तिगत कौशल को विकसित कर रहे हैं, बल्कि वे निःस्वार्थ सेवाभाव के साथ राष्ट्रीय और सामाजिक विकास में भी अपना योगदान दे रहे हैं। कैडेटों को राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान किए गए समृद्ध इतिहास और बलिदानों की याद दिलाते हुए, मुख्यमंत्री ने गणतंत्र दिवस समारोह के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवा कैडेटों को राष्ट्र के विकास में योगदान देने वाले आजादी, एकता और न्याय के मूल्यों को हमेशा याद रखने और उनका सम्मान करने के लिए प्रोत्साहित किया।

एनसीसी कैडेटों के आत्मविश्वास, अनुशासन, कड़ी मेहनत और देशभक्ति की गहरी भावना पर प्रकाश डालते हुए,

आतिशी ने उनके प्रेरक गुणों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि ये मूल्य न केवल कैडेटों को लाभान्वित करते हैं, बल्कि ये व्यापक समुदाय के लिए प्रेरणा का काम करते हैं, जिससे एकता और राष्ट्र-निर्माण की भावना को बढ़ावा मिलता है। मुख्यमंत्री ने कैडेटों से सेवा, समर्पण और राष्ट्रवाद के मूल सिद्धांतों को आत्मसात करते रहने का भी आग्रह किया। अपने संबोधन के समापन पर, उन्होंने समाज और राष्ट्र दोनों के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने की उनकी क्षमता में अपने भरोसे पुनः पुष्टि की।

मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम के दौरान 'गार्ड ऑफ ऑनर' का निरीक्षण किया, जिसके बाद राजस्थान के पिलानी स्थित बिरला बालिका विद्यालय के कैडेटों ने एक बैंड प्रस्तुति दी। बाद में उन्होंने 'फ्लैग एरिया' का दौरा किया, जहां सभी 17 निदेशालयों के एनसीसी कैडेटों ने रचनात्मक रूप से विभिन्न सामाजिक विषयों को दर्शाया। तत्पश्चात, मुख्यमंत्री 'हॉल ऑफ फेम' की ओर गई और उन्हें एनसीसी के इतिहास, प्रशिक्षण और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी गई। उनको सभी राज्य निदेशालयों के युवाओं और प्रेरित युवाओं द्वारा की गई 'विचार और नवाचार' संबंधी विभिन्न परियोजनाओं से भी परिचित कराया गया।

मुख्यमंत्री की यात्रा का समापन प्रताप हॉल ऑडिटोरियम में प्रतिभाशाली युवाओं द्वारा एक आकर्षक सांस्कृतिक प्रदर्शन के साथ हुआ।

'दिल्ली के लोगों ने झूठ का शासन देख लिया है'

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को दिल्ली पहुंचे, जहां पर उन्होंने विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार किया। नायब सैनी दिल्ली में पूर्व केंद्रीय मंत्री और करोल बाग विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी के उम्मीदवार दुष्यंत गौतम के नामांकन में शामिल हुए, जहां पर उन्होंने जनता से बीजेपी उम्मीदवारों को वोट देने की अपील की। इस दौरान सैनी ने जमकर आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा है। नायब सैनी ने केजरीवाल सरकार को घेरते हुए कहा कि दिल्ली के लोगों ने झूठ का शासन देख लिया है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने ईमानदारी और काम के नाम पर जनता से वोट लेकर सत्ता में आए, लेकिन उन्होंने न ही ईमानदारी दिखाई और न ही अपने काम के वादों को पूरा किया।

सीएम नायब सैनी ने चुनाव प्रचार के दौरान दावा करते हुए कहा कि इस बार दिल्ली में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में काम करने वाली बीजेपी की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने 'आप' पर तंज कसते पिछले 10 सालों से दिल्ली का बुरा हाल बनाकर

केजरीवाल ने सिर्फ झूठ बोला है और लगातार जनता को बरगलाने और शोषण करने का काम किया है। सीएम सैनी ने कहा कि दिल्ली की जनता बदलाव के लिए तैयार है और दिल्ली में डबल इंजन की सरकार बनने जा रही है।

हरियाणा के सीएम नायब सैनी ने अपने राज्य में जीत का श्रेय दिल्ली के लोगों को भी दिया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में बीजेपी की जीत में दिल्ली के लोगों का भी योगदान रहा है। केंद्र की ओर से चलाई जा रही योजनाओं को लेकर उन्होंने कहा कि दिल्ली में लोगों को 'आप' सरकार की वजह से केंद्रीय योजनाओं की लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने दावा करते हुए कहा कि दिल्ली की जनता को मालूम है कि दिल्ली का विकास तभी हो पाएगा, जब केंद्र की सरकार ही दिल्ली में भी होगी।

सीएम सैनी ने कहा कि इस बार दिल्ली में कमल का फूल खिलेगा। सीएम सैनी के अलावा हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर भी दिल्ली के चुनावी मैदान में उतर गए हैं। मनोहर लाल खट्टर दिल्ली के रोहिणी विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी प्रत्याशी विजेंद्र गुप्ता के नामांकन से पहले आयोजित हवन में शामिल हुए और रैली में रोहिणी की जनता से बीजेपी को वोट देने की अपील की। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान इंडिया गठबंधन पर जमकर हमला बोला है। खट्टर ने दावा करते हुए कहा कि बीजेपी एक मजबूत पार्टी है और वह दिल्ली में अपनी सरकार बनाएगी।

दिल्ली में बीजेपी पिछले 27 सालों से सत्ता से दूर है, जिसकी वजह से इस बार पार्टी चुनाव में अपना पूरा जोर लगा रही है।

ऐतिहासिक भारतेंदु भवन में होगा मिथिला कैलेंडर का लोकार्पण

'कैलेंडर के निर्माण में मिथिला के विशेषताओं को दर्शाता जाता है, इस बार मिथिला के ऋषि परंपरा को दर्शाया गया है'

-दास पुष्कर
ख्यात चित्रकार

'मिथिला कैलेंडर का निर्माण मिथिला पंचांग के अनुसार किया जाता है, प्रवासी मिथिलांचल के लोग अपने शुभ कार्य मिथिला पंचांग के अनुसार करें यह हमारी पहली प्राथमिकता रहती है'

-गौतम कुमार झा (एडवोकेट)
संयोजक-मिथिला कैलेंडर निर्माण समिति

'प्राचीन काल से मिथिला ज्ञान, विज्ञान और दर्शन की भूमि रही है इसी को देखते हुए विद्वानों के सलाह पर मिथिला कैलेंडर का निर्माण किया जाता है'

-डा विजय कपूर
ख्यात पार्श्व गायक

रविवार को आयोजित समारोह में विद्वानों का होगा सम्मान

एसबी संवाददाता

वाराणसी। मैथिल समाज, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रकाशित मिथिला कैलेंडर का लोकार्पण हिन्दी के तीर्थ भारतेंदु भवन, चौखंभा में 19 जनवरी रविवार को शाम 4 बजे विद्वानों द्वारा होगा। इस अवसर पर शहर के विद्धतजनों का सम्मान भी संस्था द्वारा किया जायेगा। इस वर्ष का मिथिला कैलेंडर मिथिला के ऋषि, महर्षियों को समर्पित है।

कैलेंडर में महर्षि गौतम, महकवि कालीदास, सन्त शिरोमणि लक्ष्मीनाथ गोसाईं, पुरी शंकराचार्य निश्चलानन्द सरस्वती जी महाराज आदि ऋषि मुनियों पर विशेषांक कैलेंडर के माध्यम से संस्था द्वारा निकाला गया है।

भव्य कलश यात्रा निकाली गई

संजना भारती संवाददाता

साहिबगंज/झारखंड। भारतीय कॉलोनी स्थित अयोध्या धाम मे 15 जनवरी से 22 जनवरी तक होने वाले श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हजारो महिलाओ के द्वारा भव्य कलश शोभा यात्रा निकाल कर की गई। जोकि शहर के चौक बाजार, गांधी रोड, रेलवे इंस्टिट्यूट होते हुए मुक्तेश्वर धाम गंगा घाट पहुंची। जहां महिलाओ के द्वारा कलश मे जल भरने के पश्चात पुन चर्च रोड ग्रीन होटल, स्टेशन व बाटा रोड होते पुन अयोध्या धाम पहुंची। जिसका नेतृत्व भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री व समाजसेवी बजरंगी प्रसाद यादव नेहा किया। वही कलश शोभा यात्रा समापन होने के उपरांत कथा का उद्घाटन अयोध्या धाम मे मालदा डिवीजन के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

डीआरएम मनीष गुप्ता ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा ऐसी कथा है जो जीवन के उद्देश्य एवं दिशा को दर्शाती है। इसलिए जहां भी भागवत कथा होती है, इसे सुनने मात्र से वहां का संपूर्ण क्षेत्र दुष्ट प्रवृत्तियो से खत्म होकर सकारात्मक ऊर्जा से सशक्त हो जाता है। वही कार्यक्रम में क्षेत्रवासी सहित आयोजन समिति के सदस्यगण शामिल थे।

सम्पादकीय

फंस गए हैं केजरीवाल!

आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल भले ही एक बार फिर से दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने के लिए चुनाव लड़ रहे हो लेकिन इस बार वह बुरी तरह से फंसते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस के मजबूती से दिल्ली में विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारियों ने तो आम आदमी पार्टी सरकार की वापसी पर प्रश्नचिन्ह लगा ही दिया है लेकिन इस त्रिकोणीय लड़ाई में केजरीवाल की अपनी सीट भी फंसती हुई नजर आ रही है। अरविंद केजरीवाल इस बात को काफी पहले ही समझ गए थे, इसलिए वह लगातार इंडिया गठबंधन की एकता की बात उठाने लग गए थे। यहां तक कि केजरीवाल ने डीएमके सुप्रीमो एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, शरद पवार, अखिलेश यादव और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित कई नेताओं से राहुल गांधी को समझाने की गुहार भी लगाई। लेकिन अरविंद केजरीवाल की असलियत से वाकिफ राहुल गांधी ने यह साफ कर दिया कि कांग्रेस पार्टी दिल्ली में अपने आप को मजबूत करने के लिए चुनाव लड़ेगी। सीलमपुर की अपनी पहली चुनावी रैली में राहुल गांधी ने जिस अंदाज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ आप मुखिया अरविंद केजरीवाल, पर भी जमकर निशाना साधा,उससे यह साफ हो गया कि राहुल गांधी अपनी पार्टी को समाप्त कर केजरीवाल की मदद कतई नहीं करेंगे। कांग्रेस के इस स्टैंड ने अरविंद केजरीवाल की विधायकी पर भी तलवार लटका दिया है। केजरीवाल को अब यह डर सताने लगा है कि अब वह अपनी विधानसभा सीट 'नई दिल्ली' से भी चुनाव हार सकते हैं। केजरीवाल के इस डर के पीछे ठोस कारण है। अरविंद केजरीवाल वर्ष 2013 के अपने पहले विधानसभा चुनाव में दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को नई दिल्ली विधानसभा सीट से चुनाव हराकर, पहले विधायक बने थे और फिर कांग्रेस के ही 8 विधायकों के समर्थन से पहली बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे। बताया तो यहां तक जाता है कि 2013 में शीला दीक्षित को चुनाव हराने के लिए कांग्रेस के कई नेताओं ने भी अरविंद केजरीवाल की मदद की थी। लेकिन दिल्ली में पार्टी को फिर से मजबूत बनाने के मिशन में जुटे राहुल गांधी ने इस बार नई दिल्ली विधानसभा सीट से केजरीवाल के खिलाफ स्वर्गीय शीला दीक्षित के बेटे और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित को उतार कर लड़ाई को त्रिकोणीय और दिलचस्प बना दिया है। अगर आप 2020 के विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल को मिले वोटों की तुलना 2015 के विधानसभा चुनाव से करेंगे तो आपको यह समझ आ जाएगा कि केजरीवाल को अपनी ही विधानसभा सीट पर डर क्यों लग रहा है? वर्ष 2015 में हुए विधानसभा चुनाव में आप मुखिया अरविंद केजरीवाल को 57,213 वोट मिले थे। लेकिन वर्ष 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में दिल्ली के मुख्यमंत्री होने और कुल मतदाताओं की संख्या में बढ़ोतरी होने के बावजूद केजरीवाल को मिले वोटों में भयानक गिरावट आ गई थी। 2015 के चुनाव में जिन केजरीवाल को 57,213 वोट मिले थे, उन्ही केजरीवाल को 2020 के चुनाव में 46,758 वोट ही मिल पाए थे। पिछली बार यानी 2020 के विधानसभा चुनाव में केजरीवाल की जीत का अंतर 21,697 था लेकिन उस चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार को सिर्फ 3,220 मत ही मिल पाए थे। इस बार शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं और अगर वह आखिर तक पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ पाते हैं तो फिर केजरीवाल के लिए मुसीबतें खड़ी हो जाएगी। क्योंकि इस बार दिल्ली के एक और पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे प्रवेश वर्मा भी नई दिल्ली से चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा उम्मीदवार के तौर पर प्रवेश वर्मा और कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर संदीप दीक्षित के मजबूती से चुनाव लड़ने की वजह से वोटों का बिखराव होगा, जिसका सीधा-सीधा नुकसान अरविंद केजरीवाल को ही होगा। इसलिए आम आदमी पार्टी के तमाम नेता और स्वयं अरविंद केजरीवाल भी अंदर से डरे हुए हैं।

जयंती

ओ. पी. नैय्यर

जन्म: 16 जनवरी, 1926; मृत्यु: 28 जनवरी, 2007) हिन्दी फिल्मों के एक प्रसिद्ध संगीतकार थे। अपने सुरों के जादू से आशा भोंसले और मोहम्मद रफी जैसे कई पार्श्वगायक और पार्श्वगायिकाओं को कामयाबी के शिखर पर पहुंचाने वाले महान संगीतकार ओ. पी. नैय्यर के संगीतबद्ध गीत आज भी लोकप्रिय है। ओंकार प्रसाद नैय्यर उर्फ ओ.पी. नैय्यर का रुझान बचपन से ही संगीत की ओर था। वह पार्श्वगायक बनना चाहते थे। भारत विभाजन के पश्चात उनका पूरा परिवार लाहौर छोड़कर अमृतसर चला आया। ओंकार प्रसाद ने संगीत की सेवा करने के लिए अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ दी। अपने संगीत के सफर की शुरूआत इन्होंने आल इंडिया रेडियो से की।

पुण्यतिथि

महादेव गोविन्द रानाडे

जन्म-18 जनवरी, 1842; मृत्यु-16 जनवरी, 1901) भारत के प्रसिद्ध राष्ट्रवादी, समाज सुधारक, विद्वान और न्यायविद थे। उन्हें "महाराष्ट्र का सुकरात" कहा जाता है। रानाडे ने समाज सुधार के कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था। प्रार्थना समाज, आर्य समाज और ब्रह्म समाज का इनके जीवन पर बहुत प्रभाव था। गोविंद रानाडे 'दक्कन एजुकेशनल सोसायटी' के संस्थापकों में से एक थे। इन्होंने 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस' की स्थापना का भी समर्थन किया था। रानाडे स्वदेशी के समर्थक और देश में ही निर्मित वस्तुओं का प्रयोग करने के पक्षधर थे।

कल मिलेंगे

रीता: मेरा लड़का आजकल बहुत तरक्की कर रहा है.
मीता: अच्छा कैसे?
रीता: पुलिस ने उस पर घोषित इनाम की रकम 5,000 से बढ़ाकर 10,000 कर दी है.
मीता के उड़ गए ...

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

परंपरागत एवं आधुनिक चिकित्सा में समन्वय की जरूरत

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत सरकार की सहभागिता में गत वर्ष भारत के गुजरात प्रदेश के गांधीनगर शहर में प्रथम पारम्परिक चिकित्सा वैश्विक शिखर सम्मेलन आयोजित कर गम्भीर स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने और वैश्विक स्वास्थ्य एवं टिकाऊ विकास में प्रगति को आगे बढ़ाने में, पारम्परिक, पूरक व एकीकृत चिकित्सा की उपयोगिता को स्वीकार करते हुए इसे व्यापक बनाने की अनेक योजनाओं पर सहमति जताई

-ललित गर्ग

एक और नये चीनी वायरस ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के संक्रमण के उपचार को लेकर दुनिया भारत की प्राचीन प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धति की ओर आशाभरी निगाहों से देख रही है, क्योंकि मानव इतिहास की सबसे बड़ी एवं भयावह महामारी कोरोना के निदान में भी उसकी भूमिका प्रभावी एवं कारगर रही है। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा पद्धति ने शोध-अनुसंधान व बड़े पूंजी निवेश के चलते अप्रत्याशित स्वास्थ्य उन्नति एवं चिकित्सा क्रांति की है। बावजूद इसके आधुनिक समय में भी प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां असाध्य बीमारियों के लिये कारगर बनी हुई है। भारत ही नहीं, विदेशों में भी भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की स्वीकार्यता बढ़ी है। आयुष मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2014 में जो आयुष बाजार 2.8 अरब डॉलर था, उसका आकार बीते साल तक 43.4 अरब डॉलर हो गया है। इतना ही नहीं प्राकृतिक चिकित्सा उत्पादों का निर्यात भी दुगना हुआ है। जिससे इस पद्धति की अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता का पता चलता है। यानी इन्हें एक पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता मिल रही है। इन स्थितियों को देखते हुए यदि आधुनिक विज्ञान व परंपरागत चिकित्सा पद्धति में समन्वय बने तो मानवता कल्याण का नया रास्ता उद्घाटित होगा।

प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली चिकित्सा की एक रचनात्मक विधि है, जिसका लक्ष्य प्रकृति में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध तत्त्वों के उचित इस्तेमाल द्वारा रोग का मूल कारण समाप्त करना एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना है। यह न केवल एक चिकित्सा पद्धति है बल्कि मानव शरीर में उपस्थित आंतरिक महत्त्वपूर्ण शक्तियों या प्राकृतिक तत्त्वों के अनुरूप एक जीवन-शैली है। यह जीवन कला तथा विज्ञान में एक सम्पूर्ण क्रांति है। इसमें प्राकृतिक भोजन, विशेषकर ताजे फल तथा कच्ची व हलकी पकी सब्जियाँ विभिन्न बीमारियों के इलाज में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। योग, ध्यान एवं संतुलित जीवनशैली इस चिकित्सा के आधार है। प्राकृतिक चिकित्सा निर्धन व्यक्तियों एवं गरीब देशों के लिये विशेष रूप से वरदान है। इसीलिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से भारत का जो प्राचीन सेहत का ज्ञान सदियों से हाशिये पर रहा है, उसे पिछले एक दशक में देश-विदेश में व्यापक रूप से प्रतिष्ठापित किया गया है और भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद, योग को दुनिया में फैलाया गया है। भारत में भीषण गरीबी के चलते प्रकृति के सान्निध्य में सेहत के गुर को महसूस करते हुए महात्मा गांधी ने प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को देश में प्रतिष्ठा दी थी। आज भी उनके अनुयायी पूरे देश में इस मुहिम में जुड़े हुए हैं। जरूरी है कि सदियों के अनुभव से हासिल गुणवत्ता व प्रमाणिकता के परंपरागत ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के मध्य तालमेल की कोशिश की जाए। पारम्परिक एवं पूरक चिकित्सा पर विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्ल्यूएचओ की वैश्विक रिपोर्ट (2019) के अनुसार, दुनिया भर में इस्तेमाल की जा रही पारम्परिक चिकित्सा की विभिन्न प्रणालियों में, एक्यूपंक्चर, हर्बल दवाएँ, स्वदेशी पारम्परिक चिकित्सा, होम्योपैथी, पारम्परिक चीनी चिकित्सा, प्राकृतिक चिकित्सा, कायरोप्रैक्टिक, ऑस्टियोपैथी, आयुर्वेद व यूनानी उपचार शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ के 170 सदस्य देशों ने अपनी आबादी द्वारा पारम्परिक चिकित्सा के उपयोग पर रिपोर्ट दी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) भी, पारम्परिक उपचार प्रणालियों के अध्ययन और अभ्यास में क्रान्ति ला रही है। आयुष शब्द आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी का संक्षिप्त रूप है। इसी आधार पर प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को आधुनिक समय में प्रासंगिक बनाने के लिये भारत सरकार में आयुष मंत्रालय बना है। इसी मंत्रालय के प्रयासों से जहां आयुष बाजार को विस्तार मिला, वहीं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उपचार में मदद मिली है। इससे रोजगार व उद्यमिता को भी नई ऊंचाइयां मिली हैं। एक ओर जहां आयुर्वेदिक दवाओं के उत्पादन से रोजगार बढ़े हैं, वहीं इसमें प्रयोग की जाने वाली जड़ी-बूटियों, फल और इससे जुड़े जैविक उत्पादों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिला है। कमोबेश इसी तरह योग से जुड़ी सामग्री का निर्यात भी तेजी से बढ़ा है। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग, आयुर्वेद, भारतीय खानपान एवं जीवनशैली को वैश्विक मान्यता मिली है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत सरकार की सहभागिता में गत वर्ष भारत के गुजरात प्रदेश के गांधीनगर शहर में प्रथम पारम्परिक चिकित्सा वैश्विक शिखर सम्मेलन आयोजित कर गम्भीर स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने और वैश्विक स्वास्थ्य एवं टिकाऊ विकास में प्रगति को आगे बढ़ाने में, पारम्परिक, पूरक व एकीकृत चिकित्सा की उपयोगिता को स्वीकार करते हुए इसे व्यापक बनाने की अनेक योजनाओं पर सहमति जताई। विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार ने आधुनिक विज्ञान एवं टैक्नॉलॉजी के जरिये, पारम्परिक औषधि में निहित सम्भावनाओं को साकार करने के इरादे से एक वैश्विक केंद्र स्थापित किये जाने के समझौते पर भी हस्ताक्षर किये और गुजरात राज्य के जामनगर शहर में बनाए जाने वाले इस केंद्र की मदद से आमजन की सेहत में बेहतरी लाने और विश्व के हर क्षेत्र में सम्पर्क व लाभ सुनिश्चित किये जाने की योजना को आकार दिया जाने लगा है। नये विश्व की विडम्बना है कि तीव्र विकास की छाया में गरीबी का भी विस्तार हुआ है। महंगी होती आधुनिक चिकित्सा पद्धति गरीब की पहुंच से दूर होती जा रही है। सरकारी चिकित्सा तंत्र मरीजों के भारी बोझ से चरमरा रहा है। ऐसे में यदि जीवन शैली में सुधार, सजगता व शारीरिक सक्रियता से लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिले तो किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसे पूरक चिकित्सा पद्धति के रूप में स्वीकार किया ही जाना चाहिए। यह सुखद है कि हम देर से ही सही, इस दिशा में आगे बढ़े हैं। हमारे आयुर्वेद के उत्पादों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की मान्यता मिलना भी एक बड़ी उपलब्धि है। इस दिशा में आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वय स्थापित कर आगे बढ़ने के लिये साझे प्रयास जरूरी हैं। पारम्परिक चिकित्सा उत्पादों और पद्धतियों के शोध का यह उपयुक्त समय है। दुनियाभर में लोग वैकल्पिक निदानों का रुख कर रहे हैं। इससे अधिक शोध व अधिक साक्ष्य सामने आ रहे हैं और शोध के परिणाम बेहद आशाजनक दिख रहे हैं। प्राचीन संस्कृतियों द्वारा चिकित्सा हेतु प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के अलावा, आधुनिक रोगों से निपटने के लिए पारम्परिक समुदाय-आधारित स्वास्थ्य प्रथाओं का भी अभूतपूर्व महत्व है। चेचक के टीके का विकास इसका एक सशक्त उदाहरण है।

भारत की प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां के प्रति बढ़ते आकर्षण एवं रूझान को देखते हुए जरूरी हो जाता है कि हम आयुष उत्पादों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। उनको हम विज्ञान की कसौटी पर भी कसे। भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति वैश्विक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य समाधान करने में सक्षम एवं कारगर बन रही है तो हमें इस पर व्यापक शोध, अनुसंधान एवं प्रयोग को बल देना चाहिए। दरअसल, भारतीय परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों मसलन आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, योग, सिद्ध आदि पद्धतियों की धारणा रही है कि किसी रोग को दबाने के बजाय उसके कारकों का उपचार किया जाए। पारम्परिक चिकित्सा को पूर्व-वैज्ञानिक युग की पद्धति के रूप में देखा जाता है, जिसका स्थान आधुनिक, बेहतर, विज्ञान-आधारित चिकित्सा ने लिया। हालाँकि, आधुनिक विज्ञान और चिकित्सा का प्रादुर्भाव, पारम्परिक उत्पादों व प्रथाओं से ही हुआ है, जिसका एक लम्बा इतिहास है। आज लगभग 40 प्रतिशत फार्मास्युटिकल उत्पाद, प्रकृति और पारम्परिक ज्ञान से आते हैं, जिनमें कई महत्वपूर्ण दवाएँ शामिल हैं।

प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां का आधार हमारे विचार, खानपान और प्रकृतिमय जीवन है, जो बीमारियों को पनपने नहीं देता, यदि फिर भी कोई बीमारी आ जाती है उसका सस्ता, सरल, प्रभावी एवं सुगम इलाज पारम्परिक चिकित्सा पद्धति में है। जो हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है। प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां को विस्तारित एवं सशक्त करते हुए हमें आधुनिक चिकित्सा पद्धति की अनदेखी नहीं करनी है बल्कि समन्वय करके इंसानों को स्वस्थ बनाने की दिशा में क्रांति का शंखनाद करना है। निश्चित रूप से यदि विज्ञान व परंपरा के समन्वय का मणिकांचन संयोग होगा तो बढ़ती बीमारियों एवं महामारियों की चिन्ता को दूर करने के लक्ष्य हासिल करना ज्यादा आसान होगा।

-लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

कनाडा और ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने की बात महज इच्छा नहीं

1950 में तिब्बत पर चीन का आक्रमण सभी विदेशी क्षेत्रीय विलयों में सबसे शांत था। तिब्बत पर चीनी सैन्य कब्जे की खबर, जिसे 'दुनिया की छत' के रूप में जाना जाता है, इतनी धीमी गति से फैली कि 1952 तक अधिकांश तिब्बती इसके बारे में अनभिज्ञ थे। चीन ने झिंजियांग, हैनान और झोउशान सहित कई क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया है। तिब्बत चीन के कुल भूभाग का लगभग आठवां हिस्सा है

-नन्तू बनर्जी

ऐसा लगता है कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की कनाडा और ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने और मैक्सिको खाड़ी का नाम बदलने की बात महज उनकी सामान्य इच्छा नहीं है बल्कि इसके पीछे कोई राज की बात है। कनाडा पर अमेरिका का कब्जा तो ब्रिटिश सम्राट की भागीदारी वाली दोनों देशों के बीच एक संधि या कनाडा के नागरिकों द्वारा अमेरिका में शामिल होने के पक्ष में जनमत संग्रह या बल प्रयोग के माध्यम से ही संभव है।

कनाडा की अर्थव्यवस्था संयुक्त राज्य अमेरिका पर अत्यधिक निर्भर है। औपनिवेशिक युग के बाद भी देशों पर जबरन कब्जा करना कोई नई बात नहीं है। अमेरिका, 1867 के ब्रिटिश उत्तरी अमेरिका अधिनियम के तहत इसके निर्माण के बाद से ही कनाडा के विशाल क्षेत्र को हड़पने में रुचि रखता है। कनाडा एक द्विधार्मिक देश है। कानूनी अवधारणाएं अंग्रेजी और फ्रेंच दोनों में व्यक्त की जाती हैं। ब्रिटिश सम्राट, किंग चार्ल्स-तृतीय, कनाडा के संवैधानिक प्रमुख हैं। यद्यपि वह देश पर शासन नहीं करते हैं, ब्रिटिश राजा कनाडा की सरकार और पहचान का एक मूलभूत हिस्सा हैं। हालांकि, अमेरिका ने अभी तक 9.98 मिलियन वर्ग किलोमीटर से अधिक के भौगोलिक क्षेत्र के हिसाब से दुनिया के दूसरे सबसे बड़े देश कनाडा पर कब्जा करने का गंभीर प्रयास नहीं किया है। कनाडा पर अमेरिका का कब्जा इसे रूस से आगे दुनिया का सबसे बड़ा देश बना देगा, जिसका कुल क्षेत्रफल 17,098,242 वर्ग किलोमीटर है। अमेरिका का क्षेत्रीय विस्तार कोई नई बात नहीं है। यह अमेरिकी संविधान द्वारा प्रदान किया गया है। ट्रम्प इसे जानते हैं। ट्रम्प के सुझाव पर अमेरिका में कोई गंभीर राजनीतिक बहस नहीं है कि कनाडा को अपने में मिला लिया जाये और डेनमार्क के साथ संधि के माध्यम से ग्रीनलैंड को हासिल कर लिया जाये।

निरंतर क्षेत्रीय विस्तार और अधिग्रहण अमेरिका के भू-राजनीतिक इतिहास का एक हिस्सा है। विश्व इतिहासकार जानते हैं कि अमेरिका ने कैलिफोर्निया, नेवादा, यूटा, न्यू मैक्सिको, एरिजोना, कोलोराडो, ओक्लाहोमा, कंसास और व्योमिंग के वर्तमान राज्यों को कैसे अपने में मिला लिया। कनाडा और ग्रीनलैंड अगले निशाने हो सकते हैं। ऐसा करने के लिए अमेरिका में एक संवैधानिक वास्तुकला मौजूद है। अमेरिका के लिए अधिग्रहण या अधीनता के माध्यम से क्षेत्र हासिल करने की संभावना और मिसाल दोनों हैं। यहां तक कि कनाडा के जबरन विलय का किसी अन्य शक्ति द्वारा सैन्य रूप से विरोध किये जाने की संभावना बहुत कम है। अतीत में, अमेरिका, रूस, चीन, भारत, यूके, फ्रांस और इजरायल सहित कई सैन्य रूप से मजबूत देशों ने कई क्षेत्रों पर जबरन कब्जा किया या उन्हें अपने साथ बनाये रखा तथा इस क्रम में उन्हें किसी तीसरे पक्ष के बहुत कम विरोध का सामना करना पड़ा।

1950 में तिब्बत पर चीन का आक्रमण सभी विदेशी क्षेत्रीय विलयों में सबसे शांत था। तिब्बत पर चीनी सैन्य कब्जे की खबर, जिसे 'दुनिया की छत' के रूप में जाना जाता है, इतनी धीमी गति से फैली कि 1952 तक अधिकांश तिब्बती इसके बारे में अनभिज्ञ थे। चीन ने झिंजियांग, हैनान और झोउशान सहित कई क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया है। तिब्बत चीन के कुल भूभाग का लगभग आठवां हिस्सा है। तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र (टीएआर)झिंजियांग के बाद क्षेत्रफल के हिसाब से चीन का दूसरा सबसे बड़ा प्रांत-स्तरीय विभाजन है। गैर-अनुरूपतावादी कम्युनिस्ट चीन ने झिंजियांग के इस्लामिक राज्य और तिब्बत के बौद्ध क्षेत्र पर कब्जा कर लिया और रूस और कनाडा के बाद कुल भूमि क्षेत्र के हिसाब से दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया। चीन, जो और अधिक चाहता है, का भारत, जापान, वियतनाम, भूटान और फिलीपींस सहित कई देशों के साथ क्षेत्रीय विवाद है। यह ताइवान और दक्षिण चीन सागर के क्षेत्र पर दावा करता है। चीन अक्साई-चीन पर शासन करता है, जिसे भारतीय क्षेत्र माना जाता है।

कोई यह कह सकता है कि भारत ने खुद ही हैदराबाद, गोवा, दमन और दीव और सिक्किम पर कब्जा कर लिया। ब्रिटिश शासन से अपनी स्वतंत्रता के समय भारत के भीतर सभी राज्य स्वतंत्र क्षेत्र थे। भारत ने 1961 में गोवा पर कब्जा करने के बाद उसे पुर्तगाली नियंत्रण से अलग कर लिया। इंडोनेशिया ने 1963 में पश्चिमी न्यू गिनी पर कब्जा कर लिया। उत्तरी वियतनाम ने अमेरिकी सशस्त्र बलों के साथ लंबे युद्ध के बाद दक्षिण वियतनाम पर कब्जा कर लिया। इजराइल ने 1967 में पश्चिमी गोलनहाइट्स पर कब्जा कर लिया। उत्तरी साइप्रस 1974 से तुर्की के कब्जे में है। ब्रिटेन द्वारा नियंत्रित 14 विदेशी क्षेत्रों में से ये हैं: एंगुइला; बरमूडा; ब्रिटिश अंटार्कटिक क्षेत्र (बीएटी); ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र (बीआईओटी); ब्रिटिश वर्जिन द्वीप; केमैन द्वीप; फॉकलैंड द्वीप; जिब्राल्टर; मोंटसेराट; पिटकेर्न, हेंडरसन, ड्यूसी और ओनो द्वीप; सेंट हेलेना, असेंशन और ट्रिस्टनदाकुन्हा; और दक्षिण जॉर्जिया। विदेशी फ्रांस में यूरोप के बाहर 13 विदेशी क्षेत्र शामिल हैं। रूस खार्किव और मायकोलाइव के डोनेट्स्क, खेरसॉन, लुहान्स्क और जापोरिज्जिया ओब्लास्ट के कुछ हिस्सों को नियंत्रित करता है। यूक्रेन कुर्स्क ओब्लास्ट के कुछ हिस्सों को नियंत्रित करता है। इस प्रकार, ट्रम्प द्वारा कनाडा और ग्रीनलैंड को अधिग्रहित करने के विचार का खुलेआम प्रचार करना कोई नयी या असामान्य बात नहीं लगती। इससे पहले, कनाडा ब्रिटिश कब्जे में था। ग्रीनलैंड डेनमार्क साम्राज्य का एक स्वायत्त क्षेत्र है।

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

गाजा सीजफायर को लेकर इजरायल के अंदर ही हो गया विवाद, नेतन्याहू के मंत्री ने दी कैबिनेट छोड़ने की धमकी

(एजेन्सी)।

इजरायल। इजरायल के धुर दक्षिणपंथी मंत्री इतामार बेन-गविर ने मंगलवार को धमकी दी कि अगर वह कतर में बातचीत के दौरान गाजा युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के समझौते पर सहमत होते हैं तो वह प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार छोड़ देंगे। बेन-गविर, जिनके जाने से नेतन्याहू की सरकार नहीं गिरेगी, ने वित्त मंत्री बेजेलेल स्मोट्रिच से युद्धविराम समझौते को रोकने के आखिरी प्रयास में उनके साथ शामिल होने का आग्रह किया, जिसे उन्होंने हमास के लिए एक खतरनाक समर्पण बताया।

बेन-गविर ने एक्स पर कहा कि यह कदम (सौदे के) कार्यान्वयन को रोकने और एक साल से अधिक के खूनी युद्ध के बाद, जिसमें गाजा पट्टी में 400 से अधिक आईडीएफ (इजराइल रक्षा बल) सैनिक मारे गए थे, हमास के सामने इजरायल के आत्मसमर्पण को रोकने का हमारा एकमात्र मौका है, और सुनिश्चित करें कि उनकी मृत्यु व्यर्थ न हो।

स्मोट्रिच ने सोमवार को कहा कि उन्हें समझौते पर आपत्ति है लेकिन उन्होंने नेतन्याहू के गठबंधन को नुकसान पहुंचाने की धमकी नहीं दी। उम्मीद है कि अधिकांश मंत्री चरणबद्ध युद्धविराम समझौते का समर्थन करेंगे, जिसमें लड़ाई रोकने और बंधकों की रिहाई का विवरण है।

बेन-ग्विर ने स्मोट्रिच की टिप्पणियों को दोहराया, जिन्होंने सोमवार को कहा था कि इजरायल को फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के पूर्ण आत्मसमर्पण तक गाजा में अपना सैन्य अभियान जारी रखना चाहिए, जिसके 7 अक्टूबर 2023 के हमले के कारण युद्ध हुआ था।'

बाइडन ने अमेरिका में एआई बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए

(एजेन्सी)।

लॉस एंजिलिस। अमेरिकी राष्ट्रपति जो. बाइडन ने एक महत्वाकांक्षी कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आई) से जुड़े बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। कार्यकारी आदेश संघीय एजेंसियों को सरकारी स्थलों पर बड़े पैमाने पर एआई बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने का निर्देश देता है, साथ ही उन स्थानों पर निर्माण कार्य करने वालों के लिए आवश्यकताओं और सुरक्षा उपायों को लागू करता है। यह कुछ एजेंसियों को एआई डेटा केंद्रों और नयी स्वच्छ ऊर्जा सुविधाओं के लिए संघीय स्थल उपलब्ध कराने का भी निर्देश देता है

बाइडन ने एक बयान में कहा कि एआई का राष्ट्रीय सुरक्षा पर गहरा प्रभाव पड़ेगा और यदि इसे जिम्मेदारी से उपयोग किया जाए तो बीमारी का इलाज करने से लेकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करके समुदायों को सुरक्षित रखने तक अमेरिकियों के जीवन में सुधार करने में बड़ी सफलता मिलेगी।

उन्होंने कहा, जब भविष्य को परिभाषित करने वाली तकनीक की बात आती है तो हम अमेरिका को कमजोर नहीं होने देंगे, न ही हमें महत्वपूर्ण पर्यावरण मानकों और स्वच्छ हवा और स्वच्छ पानी की रक्षा के लिए हमारे साझा प्रयासों का त्याग करना चाहिए। नये नियमों के तहत रक्षा और ऊर्जा विभाग कम से कम तीन-तीन स्थलों की पहचान करेंगे, जहां निजी क्षेत्र एआई डेटा केंद्र बना सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि एजेंसियां उन संघीय स्थलों पर एआई डेटा केंद्र बनाने के लिए निजी कंपनियों से प्रतिस्पर्धी अनुरोध करेंगी।

नोवाक जोकोविच ने सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम मैच खेलने का नया रिकॉर्ड बनाया, ओसाका तीसरे दौर में

(एजेन्सी)।

नोवाक जोकोविच ने बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर के मैच में कोर्ट पर उतरते ही ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिताओं में सर्वाधिक मैच खेलने का रिकॉर्ड बनाया जबकि नाओमी ओसाका पिछले तीन साल में पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंची।

जोकोविच चारों ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में 430 मैच खेल चुके हैं जो नया रिकॉर्ड है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पहले दौर में रोजर फेडरर (429) की बराबरी की थी। जोकोविच ने दूसरे दौर में पुर्तगाल के क्वालीफायर जेमी फरिया को 6-1, 6-7 (4), 6-3, 6-2 से हराया। जोकोविच अब ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिताओं में 379 मैच जीत चुके हैं जबकि 51 मैच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट हमारे खेल के मजबूत स्तंभ हैं। इस खेल के इतिहास में वह बहुत मायने रखते हैं। मैं भाग्यशाली हूं कि आज एक और रिकॉर्ड बनाने में सफल रहा। पुरुष वर्ग में ही तीसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए योशिहितो निशिओका पर 6-0, 6-1, 6-4 से जीत हासिल की।

महिला एकल में दो बार की ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन ओसाका 2022 के बाद पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंचीं। उन्होंने अमेरिकी ओपन की सेमीफाइनलिस्ट करोलिना मुचोवा के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके 1-6, 6-1, 6-3 से जीत हासिल की। ओसाका ने इस तरह से पिछले साल अमेरिकी ओपन में मुचोवा से मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया।

इस बीच विश्व रैंकिंग में 97वें नंबर की खिलाड़ी लौरा सीगमंड ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए ओलंपिक चैंपियन और पिछले साल की उप विजेता झेंग किनवेन को सीधे सेटों में पराजित करके बड़ा उलटफेर किया। झेंग पिछले साल फाइनल में आर्यना सबालेंका से हार गई थीलेकिन इसके बाद उन्होंने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था तथा वह सत्र के अंतिम टूर्नामेंट डब्ल्यूटीए फाइनल्स में उपविजेता रही थी। लेकिन साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के दूसरे दौर में उन्हें 36 वर्षीय सीगम

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षित सहकर्मी शिक्षकों को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

एसबी संवाददाता/विजेश शर्मा

पंचकूला। उपायुक्त मोनिका गुप्ता के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन का किया गया। इसमें सिविल सर्जन पंचकूला डा. मुक्ता कुमार मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षित सहकर्मी शिक्षकों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

सिविल सर्जन डॉ. मुक्ता कुमार ने सर्वश्रेठ कार्य करने वाले प्रशिक्षित सहकर्मी शिक्षकों के कार्यों को सराहा। साथ ही उप सिविल सर्जन (आरकेएसके) पंचकुला डॉ. शिवानी सतीजा ने भी सभी बच्चों की सरहाना की और आगे भी अच्छे कार्य करने की प्रेरणा दी।

उन्होंने बताया कि जिला पंचकुला में सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के सभी गांवों में कुल 612 प्रशिक्षित सहकर्मी शिक्षिक कार्य कर रहे हैं। ये सभी प्रशिक्षित सहकर्मी शिक्षिक अपने आस पास के बच्चों और अपने गांव में अनेक विषयों पर जागरूकता फैलाने के लिए अहम भूमिका निभाते है। अलग-अलग विषयों पर अपने सहपाठियों व दोस्तों को मिलकर बीमारियों से बचने के उपाए, सही खान-पान, एनीमिया, नशामुक्ति, एचआईवी, डब्ल्यूआईएफएस प्रोग्राम, स्वच्छता, टीकाकरण, इम्यूनाइजेशन आदि के बारे में जानकारी देते है।

कार्यक्रम में जिला किशोर स्वास्थ्य अधिकारी, आरकेएसके के सभी नोडल अधिकारी, आशा वर्कर्स और प्रशिक्षित सहकर्मी शिक्षक उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति के मौके पर गरीबों में कंबल का वितरण

एसबी ब्यूरो

दलसिंहसराय/समस्तीपुर। राजेंद्र प्रसाद ट्रस्ट के सौजन्य से लहेरिया बाजार निवासी मो. कासिम को बुधवार को ट्रस्ट के सदस्यों के द्वारा आर्थिक मदद प्रदान की गई। बताते चलें कि सोमवार की रात उसके दुकान में आग लग गई थी और उनका अंडा दुकान के फर्नीचर सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया था। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष रोहन प्रकाश और कुणाल कुमार सोनी के द्वारा उन्हें ठंड से बचाव के लिए जैकेट भी प्रदान किया गया। रोहित सोनी, मोहन कुमार एवं रितिक रौशन ने उन्हें यह राशि और जैकेट प्रदान किया। कासिम का निवास स्थान भी वहीं पर है।

मकर संक्रांति के दिन राजेंद्र प्रसाद ट्रस्ट के सदस्यों के द्वारा कई जरूरतमंद लोगों को कंबल भी प्रदान किया गया। यह भेंट उन्हें हमारे प्रेरणा श्री राजेंद्र प्रसाद के हाथों ही प्रदान किया गया। उक्त मौके पर सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

श्यामटू में खनिज मिनरल की क्षमता बढाने को लेकर उपायुक्त ने की सार्वजनिक सुनवाई

■ गांवों के विकास पर सीएसआर के तहत की जाएगी धनराशि की खर्च

एसबी संवाददाता/विजेश शर्मा

पंचकूला। उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने जिला के गांव श्यामटू, रत्तेवाली में बजरी, रेत, माईनर मिनरल खनिज की क्षमता बढाने को लेकर सार्वजनिक जनसुनवाई की। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं प्रशासनिक के साथ हुई जनसुनवाई के दौरान दोनों गांवों के कई ग्रामीणों ने विस्तार से अपने विचार साझा किए।

उपायुक्त ने बताया कि टांगरी नदी से अब तक 4 लाख प्रति वर्ष बजरी रेता, माईनर मिनरल खनिज आदि निकाला जा रहा है। अब 46.5 हैक्टेयर में क्षमता बढाकर 18 लाख टन मिनरल खनिज निकालने को लेकर जनसुनवाई की गई।

उपायुक्त ने बताया कि टांगरी नदी के किनारे एक से तीन मीटर गहराई तक वनस्पति रहित क्षेत्र में खनन कार्य करना होता है। इस कार्य में लगभग 70 व्यक्तियों को रोजगार मिल रहा है और आवागमन के साधन में भी वृद्धि होने के साथ साथ चिकित्सा सेवा और सामाजिक कार्यो पर भी सीएसआर फण्ड के तहत 12 लाख रुपए से अधिक की धनराशि खर्च की जाएगी। उपायुक्त ने बताया कि कम्पनी द्वारा केवल आंवटित क्षेत्र में ही खनन कार्य किया जा सकता है।

■ पर्यावरण की सुरक्षा हेतू लगाए जाएंगे 15000 पौधे

पर्यावरण की सरंक्षण हेतू धूल से बचने के लिए पानी का छिड़काव करना अनिवार्य है और पर्यावरण की सुरक्षा हेतू लगभग 15000 पौधे लगाकर वृक्षारोपण किया जाएगा। जनसुनवाई के दौरान प्रदूषण नियत्रंण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी सुधीर मोहन, खनन अधिकारी, कार्यकारी अभियंता आशीष चैहान सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का हुआ समापन

एसबी संवाददाता/विजेश शर्मा

पंचकूला। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 20 में सात दिवसीय राज्य स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का समापन हुआ। यह 9 जनवरी से 15 जनवरी के इस शिविर में हरियाणा प्रांत से सात जिले के 200 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ.आर. सी मिश्रा, विशिष्ट अतिथि हरियाणा राज्य एनएसएस अधिकारी डॉक्टर दिनेश कुमार, सम्मानित अतिथि जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी श्रीमती संध्या, प्राचार्या नीलू कत्याल का पुष्प गुच्छ भेंट कर जिला एनएसएस कोऑर्डिनेटर डॉ. अरविंद कुमार द्विवेदी ने स्वागत और अभिनंदन करते हुए बताया।

शिविर में दिन रात के सात दिवसीय शिविर में विद्यार्थियों के कौशल विकास, सृजनात्मक चिंतन और राष्ट्रीय चिंतन और चेतना के विकास पर जोर दिया गया। विभिन्न गतिविधियों और प्रतियोगिताओं के माध्यम से स्वयंसेवक विद्यार्थियों के प्रतिभा और कौशल का संवर्धन किया गया।

मुख्य अतिथि पूर्व डीजीपी आर.सी. मिश्रा ने राष्ट्रीय सेवा योजना को चरित्र निर्माण की नर्सरी कहा। विद्यार्थियों में राष्ट्र और समाज के प्रति समर्पण, सेवा भाव और कर्तव्य निष्ठा का भाव ऐसे शिवरों के माध्यम से जगाया जाता है। भारत सर्वे भवंतु सुखिनःका देश है। यहां सजीव, निर्जीव सभी के प्रति अपनत्व का भाव रखा जाता है। शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों में मानवीय मूल्य और आदर्शों का विकास हो राष्ट्रीय सेवा योजना का यही परम लक्ष्य है।

राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ दिनेश कुमार ने कहा राज्य स्तरीय शिविर में विद्यार्थियों को दूसरे जिलों के विद्यार्थियों से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। एक साथ रहने से आपस में समरसता की भावना जागृत होती है। सभी स्वयंसेवक स्वनिर्भर बनते हैं। उनके विचारों में परिपक्वता आती है। क्रियात्मक गतिविधियों के माध्यम से प्रतियोगिताएं कराई जाती हैं जिससे उनको कुछ नया सीखने की प्रेरणा मिलती है। आज हरियाणा राज्य भारत में एनएसएस की सेवा, गतिविधि और कार्यक्रम के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़ा है। हमारे एनएसएस के विद्यार्थी विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय स्तर पर बहुत ही सराहनीय कार्य कर रहे हैं। जिला पंचकूला में इस बार राज्य स्तरीय शिविर लगाने का निर्णय लिया गया और यहां के कोऑर्डिनेटर डॉ अरविंद कुमार और उनकी एनएसएस टीम ने बहुत ही प्रशंसनीय और सराहनीय शिविर का आयोजन किया है। सभी एनएसएस स्वयंसेवकों को सभी कार्यक्रम अधिकारियों को सफल आयोजन के लिए साधुवाद और बधाई देता हूं।

एनएसएस का लक्ष्य और ध्येय शिक्षा के साथ समाज और राष्ट्र की सेवा के प्रति भाव जगाना है। शिविरो में विद्यार्थी आदर्श चरित्र का निर्माण कर रहे हैं। माता-पिता, समाज, परिवार और राष्ट्र के प्रति संवेदनशील होकर चिंतन कर रहे हैं। यही हमारी सफलता है।

तेघड़ा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राम उदय महतो को मिला बेगूसराय का अतिरिक्त प्रभार

एसबी ब्यूरो

तेघड़ा। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के प्राथमिक शिक्षा निदेशक पंकज कुमार ने बेगूसराय जिला शिक्षा पदाधिकारी को पत्र जारी कर तेघड़ा के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राम उदय महतो को बेगूसराय का प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपने को लेकर पत्र जारी किया। प्राथमिक शिक्षा निदेशक के द्वारा पत्र के माध्यम से तेघड़ा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को वित्तीय प्रभार के साथ बेगूसराय का बीईओ का अतिरिक्त प्रभार देने का निर्देश दिया है। श्री महतो ने कहा कि खगड़िया के बाद बेगूसराय में बीईओ का प्रभार मिला था। वही अब मुझे तेघड़ा के साथ-साथ बेगूसराय बीईओ का प्रभार मिला है।

आगामी 26 जनवरी के अंतर्गत परेड का रिहर्सल का आकस्मिक निरीक्षण

एसबी ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ द्वारा आगामी गणतंत्र दिवस के दृष्टिगत पुलिस लाइन बदायूँ मे रिहर्सल परेड का आकस्मिक निरीक्षण किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ द्वारा आगामी गणतंत्र दिवस के दृष्टिगत पुलिस लाइन बदायूँ में रिहर्सल परेड का आकस्मिक निरीक्षण किया क्षेत्राधिकारी बिल्सी द्वारा परेड कमांडर के रुप में परेड का संचालन किया गया है। परेड में एकरूपता बनाए रखने हेतु सभी टोलीवार कमांडर द्वारा अपनी-अपनी टोली को मंच के सामने गुजारा गया।

परेड रिहर्सल का जायजा लेते महोदय द्वारा गणतंत्र दिवस की तैयारियों की समीक्षा कर संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

चोरी की बाइक के साथ दो चोर गिरफ्तार

एसबी संवाददाता

भरगामा। भरगामा पुलिस ने बाइक चोरों के एक बड़े गिरोह का पदार्फाश किया है। बुधवार को पुलिस ने अलग-अलग जगहों से चोरी की बाइक के साथ दो चोरों को दो बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि पुलिस को मंगलवार की देर रात को गुप्त सूचना मिली कि लछहा नदी के पुल के पास चार से पांच की संख्या में चोर एकत्रित हुआ है जो किसी बड़ी घटना की योजना बना रहा है। सूचना के सत्यापन को लेकर पुलिस उक्त स्थानों पर पहुंची तो जयनगर गांव निवासी नुनूलाल यादव के 25 वर्षीय बेटा गौरव यादव पकड़ाया। गौरव की निशानदेही के आधार पर थाना क्षेत्र के गजबी गांव निवासी मोहम्मद अजीम के 34 वर्षीय बेटा मोहम्मद अली राजा ऊर्फ बेचन और मोहम्मद इकराम का बेटा मोहम्मद मासूम के घर छापेमारी की गई तो मोहम्मद अली राजा ऊर्फ बेचन के घर से एक डिस्कवर मोटरसाइकिल और मोहम्मद मासूम के घर से एक बुलेट बाइक को जप्त करते हुए मोहम्मद अली राजा ऊर्फ बेचन और गौरव को गिरप्तार कर लिया गया। जबकि मोहम्मद मासूम पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया।

कला और रंगमंच के विकास के लिए जिलाधिकारी ने रंगकर्मियों के साथ की बैठक

■ संबंधित अधिकारी को दिए गए आवश्यक निर्देश

एसबी ब्यूरो प्रमुख/डॉ. संजय

हाजीपुर। शहर में कला एवं संस्कृति के विकास के लिए जिला प्रशासन ने विशेष पहल की है। जिलाधिकारी, यशपाल मीणा की पहल पर कला और रंगमंच के विकास के लिए समाहरणालय स्थित उनके कार्यालय कक्ष में स्थानीय रंगकर्मियों, जन प्रतिनिधियों, साहित्यकारों के साथ बैठक हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार और जिला प्रशासन अन्य क्षेत्रों की तरह कला और रंगमंच के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित है। कला के क्षेत्र में वैशाली का एक समृद्ध विरासत है।

आम्रपाली टाउन हॉल को सुसज्जित कर और इसे साउंडप्रूफ करते हुए कलाकारों को रिहर्सल और कला प्रदर्शन के लिए शीघ्र उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने इसके लिए नगर के कार्यपालक पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने टाऊन हॉल में बड़ा कला मंच शीघ्र तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि जल्द ही अक्षयवट राय स्टेडियम में फुटबॉल ग्राउंड, रनिंग ट्रैक आदि बनकर तैयार हो जाएगा। इससे शहर के युवाओं के लिए अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्राप्त होगा।टाऊन हॉल में कलामंच के सदस्यों को बैठने के लिए, कलाकारों के रिहर्सल, वर्कशाप, गोष्ठी आदि के लिए मंच और हॉल भी उपलब्ध होंगे।

बैठक में स्थानीय विधायक, अवधेश सिंह भी मौजूद रहे। बैठक में डीपीआरओ, नीरज, नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी, सुशील कुमार, वैशाली कला मंच के कार्यकारी अध्यक्ष डा. चंद्रभूषण सिंह शशि, जिला चैंबर आफ कामर्स अध्यक्ष, अनिल चंद्र कुशवाहा, उपाध्यक्ष, रामानंद गुप्ता, युवा विकास परिषद अध्यक्ष, किसलय किशोर, वरीय रंगकर्मी, क्षितिज प्रकाश, कलाकार, शिवाजी गणेशन, बिट्टुल नाथ सूर्य सहित अनेक कलाकार और रंगकर्मी शामिल थे।

कलाकारों ने बताया कि शहर में अक्षयवट राय स्टेडियम का वैशाली कला मंच जिले की काफी पुरानी कला संस्थाओं का समूह संस्थान है। इसके जर्जर रहने से शहर में कलाकारों के अभ्यास, कार्यशाला और गोष्ठी आदि में परेशानी हो रही है। वहीं आम्रपाली नगर भवन भी जर्जर होकर प्रस्तुति के लायक नहीं रह गया है। इससे शहर में कला-संस्कृति की गतिविधियां बिल्कुल मंद पड़ रही है। इससे कला-संस्कृति कर्मियों के विकास और प्रोत्साहन में बाधा पहुंच रही है। इस पर जिलाधिकारी ने नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी को निदेश दिया कि टाऊन हॉल का तुरंत जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण करा कर रंगकर्म और इससे जुड़े लोगों को उपलब्ध कराएं।

बैठक में नगर ईओ ने बताया कि सर्किट हाउस के निकट एक हजार सीट की क्षमता वाले सम्राट अशोक आडिटोरियम निर्माण के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यह भी कलाकारों के लिए उपलब्ध रहेगा।

कई मोहल्लों की बिजली बिजली चार घंटे बाधित रहेगी

एसबी ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूं। बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता संजीव कुमार ने बताया की 33/11 के.वी. विद्युत उपकेंद्र पनबाड़िया व कचहरी को 132 के वी नवादा से पोषित करने वाली 33 के वी लाइन पर सुरक्षा की दृष्टि रीकंडक्टरिंग का कार्य माध्यमिक कार्यखंड द्वारा किया जाएगा। जिसके दृष्टिगत 33 केवी लाइन का शटडाउन 16.1.2025 को समय लगभग प्रातः 11:00 से 3:00 बजे तक प्रस्तावित किया गया है। जिससे शहर के पनबड़िया विद्युत उपकेंद्र व कचहरी उप केंद्र से संबंधित क्षेत्र जवाहरपुरी ब्रह्मपुर पटियाली सराय नई सराय रामनाथ कॉलोनी न्यू आदर्श कॉलोनी सिविल लाइन कलेक्ट्रेट चित्रांश नगर जिला परिषद छः सड़का जोगीपुरा लावेला चौक पंजाबी मार्केट खैराती चौक नेहरू चौक गोपी चौक साहू धर्मशाला सब्जी मंडी आदि की विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। उपभोक्ताओं को असुविधा के लिए खेद है तथा सहयोग के लिए अनुरोध है।

पूर्व जस्टिस एच.एस. भल्ला ने संभाला हरियाणा ओलंपिक संघ के प्रशासक का कार्यभार

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। पूर्व न्यायाधीश जस्टिस एच.एस. भल्ला ने हरियाणा ओलंपिक संघ के प्रशासक के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। जस्टिस भल्ला वर्तमान में हरियाणा सेकंड लॉ कमीशन के अध्यक्ष भी हैं। उनका यह नियुक्ति आदेश हाल ही में जारी किया गया था। जस्टिस भल्ला की जिम्मेदारी के तहत हरियाणा की खेल टीमें भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के तत्वावधान में आयोजित खेल आयोजनों में भाग लेंगी। इस कदम से हरियाणा में खेल गतिविधियों को नई दिशा और गति मिलने की उम्मीद है। प्रशासक के रूप में जस्टिस भल्ला की नियुक्ति से खेल संघों में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित होने की संभावना है। हरियाणा ओलंपिक संघ का यह नया प्रबंधन खेलों के विकास के साथ खिलाड़ियों के हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये **उप मुख्य विद्युत अभियन्ता/नि./कानपुर** के निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन ई-टेन्डरिंग के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नामः उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल में मौजूदा हावड़ा-नई दिल्ली मार्ग पर 160 किमी प्रति घंटे तक गति बढ़ाने के संबंध में जीजेडबी-डीडीयू रूट पर एसपी, एसएसपी और टीएसएस के लिए ऑटो ट्रांसफार्मर न्यूट्रल करंट अनुपात पर आधारित 2x25 केवी एसी ट्रैक्शन सिस्टम के लिए स्वचालित फाल्ट लोकेटर (एएफएल) की आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य।

ई-निविदा सूचना संख्या	अनुमानित लागत	अमानत राशि
उप मुख्य विद्युत अभियन्ता/नि.कानपुर/ 23-24 टेन्डर-136	₹ 213220000.00	₹ 1216100.00

निविदा प्रपत्र का मूल्यः ₹00, निविदा बन्द होने की तिथि तथा समयः 03.02.2025, 15.00 बजे। **स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 06** माह। **वैलिडिटी पीरियडः 90** दिन। निविदा दिनांक **03.02.2025** को **15.00** बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। 82/25 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

कुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि

महाकुम्भ–2025 के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे द्वारा पूर्वघोषित विशेष रेलगाड़ियों के साथ–साथ निम्नलिखित अतिरिक्त विशेष रेलगाड़ियों का भी संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार हैः–

02275/02276 सूबेदारगंज – दिल्ली जं. –सूबेदारगंज कुम्भ विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 14 फेरे

गाड़ी सं. 02275 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 02276 आगमन	प्रस्थान
----	21:35	सूबेदारगंज	19:40	----
08:55	----	दिल्ली जं.	----	09:30

चलने के दिनः **02275 सूबेदारगंज** से दिनांक 20.01.2025, 27.01.2025, 03.02.2025, 10.02.2025, 17.02.2025, 24.02.2025 एवं 03.03.2025 तथा **02276 दिल्ली जं.** से दिनांक 21.01.2025, 28.01.2025, 04.02.2025, 11.02.2025, 18.02.2025, 25.02.2025 एवं 04.03.2025 को।

स्थानः 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

ठहरावः फतेहपुर, गोविन्दपुरी, इटावा जं., टूण्डला जं. एवं अलीगढ़ जं. स्टेशन।

07081/07082 गुंटूर जं. – आज़मगढ़ – विजयवाड़ा कुम्भ विशेष रेलगाड़ी — 02 फेरे

गाड़ी सं. 07081 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 07082 आगमन	प्रस्थान
----	23:00	गुंटूर जं.	----	----
00:20	00:30	विजयवाड़ा	07:30	----
12:00	12:10	वाराणसी	23:20	23:30
17:15	----	आज़मगढ़	----	19:45

चलने के दिनः **07081 गुंटूर जं.** से दिनांक 14.02.2025 तथा **07082 आज़मगढ़ जं.** से दिनांक 16.02.2025 को।

स्थानः 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

ठहरावः खम्मम, डोर्नकल जं., महबुबाबाद, वरंगल, रामगुंडम, मंचिर्याल, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, चंद्रपुर, नागपुर, बैतूल, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर एवं शाहगंज स्टेशन।

07083/07084 मचिलीपट्णम – आज़मगढ़ – मचिलीपट्णम कुम्भ विशेष रेलगाड़ी — 02 फेरे

गाड़ी सं. 07083 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 07084 आगमन	प्रस्थान
----	22:00	मचिलीपट्णम	09:00	----
12:00	12:10	वाराणसी	23:20	23:30
17:15	----	आज़मगढ़	----	19:45

चलने के दिनः **07083 मचिलीपट्णम** से दिनांक 05.02.2025 तथा **07084 आज़मगढ़** से दिनांक 07.02.2025 को।

स्थानः 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

ठहरावः गुड़लवल्लेरू, गुडिवाडा जं., विजयवाड़ा, खम्मम, वरंगल, रामगुंडम, मंचिर्याल, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, चंद्रपुर, नागपुर, बैतूल, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर एवं शाहगंज स्टेशन।

07085/07086 काकिनाडा टाउन – आज़मगढ़ –विजयवाड़ा कुम्भ विशेष रेलगाड़ी — 02 फेरे

गाड़ी सं. 07085 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 07086 आगमन	प्रस्थान
----	20:10	काकिनाडा टाउन	----	----
23:50	00:20	विजयवाड़ा	07:30	----
12:00	12:10	वाराणसी	23:20	23:30
17:15	----	आज़मगढ़	----	19:45

चलने के दिनः **07085 काकिनाडा टाउन** से दिनांक 20.02.2025 तथा **07086 आज़मगढ़** से दिनांक 22.02.2025 को।

स्थानः 3 टियर वाता.।

ठहरावः सामलकोट जं., निडदवोलु जं., ताडेपल्लिगडेम, एलूरु, विजयवाड़ा, खम्मम, वरंगल, रामगुंडम, मंचिर्याल, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, चंद्रपुर, नागपुर, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी एवं शाहगंज स्टेशन।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

07087/07088 मौला अलि – बनारस – मौला अलि कुम्भ विशेष रेलगाड़ी — 02 फेरे

गाड़ी सं. 07087 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 07088 आगमन	प्रस्थान
----	23:55	मौला अलि	07:00	----
11:30	----	बनारस	----	19:15

चलने के दिनः **07087 मौला अलि** से दिनांक 17.02.2025 तथा **07088 बनारस** से दिनांक 19.02.2025 को।

स्थानः 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

ठहरावः भुवनगिरी, जनगांव, काजीपेट, जम्मीकुंटा, पेद्दपल्ली, रामगुंडम, बेल्लमपल्ली, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, चंद्रपुर, नागपुर, बैतूल, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर एवं प्रयागराज छिवकी स्टेशन।

07107/07108 तिरुपति – बनारस – विजयवाड़ा कुम्भ विशेष रेलगाड़ी — 08 फेरे

गाड़ी सं. 07107 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 07108 आगमन	प्रस्थान
----	20:55	तिरूपति	----	----
02:55	03:05	विजयवाड़ा	05:30	----
15:45	----	बनारस	----	17:30

चलने के दिनः **07107 तिरूपति** से दिनांक 18.01.2025, 08.02.2025, 15.02.2025 एवं 22.02.2025 तथा **07108 बनारस** से दिनांक 20.01.2025, 10.02.2025, 17.02.2025 एवं 24.02.2025 को।

स्थानः 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

ठहरावः गूडूर, नेल्लूर, ओंगोल, चीराला, तेनाली जं., एलूरु, ताडेपल्लिगडेम, निडदवोलु जं., राजमंड्री, सामलकोट जं., अन्नवरम, एलमंचिली, अनकापल्ली, दुव्वाडा, उत्तर सिम्हाचलम, पेन्दुर्ति, कोत्तावलसा जं., विजयनगरम जं., बोब्बिलि जं., पार्वतीपुरम, रायगड़, मुनिगुड़ा, केसिंगा, टिटिलागढ जं., बलांगीर, बरगढ़ रोड, सम्बलपुर, झारसुगुड़ा जं., राउरकेला, हटिया, रांची, मूरी, बरकाकाना जं., टोरी, लातेहार, बरवाडीह जं., डालटनगंज, गढ़वा रोड जं, जपला, सोन नगर जं., डेहरी ऑनसोन, सासाराम, भभुआ रोड, चन्दौली मझवार, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., काशी एवं वाराणसी स्टेशन।

07109/07110 नरसापुर – बनारस – नरसापुर कुम्भ विशेष रेलगाड़ी — 04 फेरे

गाड़ी सं. 07109 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 07110 आगमन	प्रस्थान
----	06:00	नरसापुर	05:00	----
15:45	----	बनारस	----	17:30

चलने के दिनः **07109 नरसापुर** से दिनांक 26.01.2025 एवं 02.02.2025 तथा **07110 बनारस** से दिनांक 27.01.2025 एवं 03.02.2025 को।

स्थानः 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

ठहरावः भीमवरम जं., तणुकु, निडदवोलु जं., राजमंड्री, सामलकोट जं., अन्नवरम, एलमंचिली, अनकापल्ली, दुव्वाडा, उत्तर सिम्हाचलम, पेन्दुर्ति, कोत्तावलसा जं., विजयनगरम जं., बोब्बिलि जं., पार्वतीपुरम, रायगड़, मुनिगुड़ा, केसिंगा, टिटिलागढ जं., बलांगीर, बरगढ़ रोड, सम्बलपुर, झारसुगुड़ा जं., राउरकेला, हटिया, रांची, मूरी, बरकाकाना जं., टोरी, लातेहार, बरवाडीह जं., डालटनगंज, गढ़वा रोड जं, जपला, सोन नगर जं., डेहरी ऑनसोन, सासाराम, भभुआ रोड, चन्दौली मझवार, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., काशी एवं वाराणसी स्टेशन।

रेलगाड़ी सं. 02417/02418 सूबेदार गंज – दिल्ली जं. – सूबेदार गंज सुपरफास्ट कुंभ विशेष रेलगाड़ी की आवृत्ति (चलने के दिन) में वृद्धि सप्ताह में 2 दिन से बढ़ाकर 4 दिन (कुल 24 फेरे)

रेलगाड़ी सं. **02417** सूबेदार गंज से 21.01.2025, 22.01.2025, 04.02.2025, 05.02.2025, 11.02.2025, 12.02.2025, 18.02.2025, 19.02.2025, 25.02.2025, 26.02.2025, 04.03.2025 एवं 05.03.2025 (मंगलवार और बुधवार) को।

रेलगाड़ी सं. **02418** दिल्ली जं. से 22.01.2025, 23.01.2025, 05.02.2025, 06.02.2025, 12.02.2025, 13.02.2025, 19.02.2025, 20.02.2025, 26.02.2025, 27.02.2025, 05.03.2025 एवं 06.03.2025 (बुधवार और गुरुवार) को।

नोटः– समय–सारणी, ठहराव एवं कोच संरचना पूर्ववत रहेंगी।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे

आपकी सुविधा–हमारा ध्येय

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

खाली पड़े 'पैक हाउस कम कोल्ड स्टोर' को फिर से शुरू किया जाए: कृषि मंत्री

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा निर्मित खाली पड़े "पैक हाउस कम कोल्ड स्टोर" का बागवानी विभाग के सहयोग से फिर से परिचालन शुरू किया जाए ताकि किसानों को अपने फल एवं सब्जी का संरक्षण करने में आसानी हो। इसके अतिरिक्त उन्होंने मार्किट कमेटी डबवाली के अंतर्गत आने वाले खरीद केन्द्र अबूबशहर में किन्नू फल व सब्जी मण्डी स्थापित किये जाने के बारे में भी चर्चा की। इससे अबूबशहर के आस-पास के

किसानों को विशेष लाभ होगा। श्री राणा यहां अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ राजा शेखर वुंडरू, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के मुख्य प्रशासक श्री मुकेश आहूजा, महानिदेशक डॉ रणवीर सिंह भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को प्रदेश सरकार के 100 दिन के एजेंडे पर रिपोर्ट तैयार करने के भी निर्देश दिए। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान कृषि मंत्री ने बताया कि सरकार के गठन के बाद अक्टूबर में तैयार किए गए 100 दिन के रोडमैप पर फीडबैक लेने के लिए वह विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठकें कर रहे हैं।

वीएलडीए की सभी जायज मांगों को पूरा किया जाएगा: श्याम सिंह राणा

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के पशुपालन एवं डेयरिंग मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि वीएलडीए (वैटरनरी एंड लाइव स्टॉक डेवलपमेंट असिस्टेंट) की सभी जायज मांगों को पूरा किया जाएगा। वे यहां वैटरनरी एंड लाइव स्टॉक एक्सटेंशन एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर रहे थे। इस अवसर पर पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री विजय सिंह दहिया, निदेशक डॉ एलसी रंगा भी उपस्थित थे। पशुपालन एवं डेयरिंग मंत्री को एसोसिएशन के

■ वैटरनरी एंड लाइव स्टॉक एक्सटेंशन एसोसिएशन ने पशुपालन मंत्री से मुलाकात की

प्रतिनिधिमंडल में शामिल शील सांगवान एवं बिजेंद्र सिंह ने बताया कि वीएलडीए का पदनाम बदल कर वैटरनरी एंड लाइव स्टॉक एक्सटेंशन ऑफिसर करने की मांग काफी समय से लंबित है जिस पर मंत्री ने इस बारे में उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, बैठक में डिप्लोमा वेटरनरी कॉउंसिल का गठन करने, वीएलडीए के सातवें वेतन आयोग के अनुसार ग्रेड-पे देकर एसीपी लागू करने तथा आगामी ऑनलाइन ट्रांसफर ड्राइव में सभी वीएलडीए की भागीदारी करवाने जैसी मांगों पर भी चर्चा की गई। पशुपालन एवं डेयरिंग मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने वैटरनरी एंड लाइव स्टॉक एक्सटेंशन एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि उनकी सभी मांगों की जांच -पड़ताल करवा कर उचित मांगों को जल्द ही पूरा किया जाएगा।

सौ मीटर दौड़ में कविता, डिसकस थ्रो में बीटा अव्वल

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से नीलोखेड़ी ब्लाक की ग्रामीण महिलाओं के लिये सालाना खेलकूद प्रतियोगिताएं सीनियर सेकंडरी स्कूल के मैदान में आयोजित कराई गई।

महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी राजबाला मोर के अनुसार महिलाओं के लिये सौ, तीन सौ और चार सौ मीटर की दौड़, डिस्कस थ्रो, साइकिल रेस, म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता आयोजित की गई। खास बात यह रही की 5 किमी की साइकिल रेस में मूक-बधिक नवदीप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार रहे-100 मीटर दौड़ में कविता प्रथम, रीना द्वितीय, सोनिया तृतीय, 300 मीटर दौड़ में कोमल प्रथम, शीतल द्वितीय, टीना तृतीय, 400 मीटर दौड़ में मुस्कान प्रथम, मंजू द्वितीय और स्वाति तृतीय रही। डिस्कस थ्रो में बीटा प्रथम, परमजीत द्वितीय, गुरमीतो तृतीय, म्यूजिकल चेयर में दलजीत प्रथम, सुनीता द्वितीय और राजरानी तृतीय रही।

इस प्रकार साइकिल रेस में अंजू ने पहला, आशु ने दूसरी और नवदीप में तीसरा स्थान पाया।

एंटी नारकोटिक सेल द्वारा नशा तस्कर काबू, 62 ग्राम अफीम बरामद

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। एक तरफ जहां पर एसपी राजेश कालिया के आदेशानुसार जिला पुलिस द्वारा नशा ना करने बारे आमजन को जागरूक किया जा रहा है, वहीं पर पुलिस द्वारा नशा तस्करों पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। इसी मुहिम तहत एंटी नारकोटिक सेल द्वारा एक नशा तस्कर को 62 ग्राम अफीम सहित काबू कर लिया गया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एंटी नारकोटिक सेल प्रभारी एसआई सिंह राज की अगुवाई में एसआई जोगिंद्र सिंह की टीम शाम के समय गांव दाबन खेड़ी सरकारी स्कूल के पास मौजूद थी। सहयोगी सुत्रो से पुलिस को एक गुप्त जानकारी मिली कि गांव दाबन खेड़ी निवासी परमजीत उर्फ पम्मी काफी समय

जिला पुलिस अधीक्षक कैथल राजेश कालिया।

से अपने मकान के आस पास ग्राहकों को अफीम बेचने का काम करता हैं। अगर तुरंत उसके मकान पर रेड की जाए तो उपरोक्त आरोपी परमजीत को अफीम सहित काबु किया जा सकता है।

सूचना विश्वसनीय होने कारण पुलिस टीम द्वारा मुस्तैदी का परिचय देते हुए गांव दाबन खेड़ी निवासी परमजीत उपरोक्त के मकान पर दबिश देकर संदिग्ध परमजीत को काबू कर लिया गया। पुलिस सुचना उपरांत मौके पर पहुंचे एईटीओ दीपक दत्त के समक्ष नियमानुसार ली गई तलाशी दौरान आरोपी के कब्जे में पॉलीथिन से 62 ग्राम अफीम बरामद हुई।

आरोपी के खिलाफ थाना गुहला में मामला दर्ज करके मौके पर पहुंचे एएसआई राजेश कुमार द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी बुधवार को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

एडीजे डॉ. गर्ग की कोर्ट ने 51 केसों में 60 नशा तस्करों को सुनाई सजा

■ वर्षिक रिपोर्ट 2024 अनुसार 204 केसो में से 178 केसों में आरोपियों को मिली सजा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। उप-निदेशक, अभियोजन एवं जिला न्यायवादी डॉ. पंकज सैनी ने बताया कि सरकार प्रदेश को नशा मुक्त बनाने एवं समाज को नशे की लत से छुटकारा दिलाने के उद्देश्य से नशा कानूनों को सख्ती से लागू कर रही है। इस दिशा में एनडीपीएस एक्ट की वार्षिक रिपोर्ट में करनाल जिला की नशा संबंधी मामलों में सजा सुनाने में 87.25 प्रतिशत औसत रही है।

एनडीपीएस एक्ट की जनवरी से दिसंबर 2024 वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार अतिरिक्ति जिला सत्र एवं न्यायाधीश डॉ. सुशील गर्ग ने इस दौरान 51 एनडीपीसी एक्ट से संबंधी मामलों की सुनवाई करते हुए सभी 60 आरोपियों को सजा सुनाई है। 51 केसों में से, 51 केसों में ही सजा सुनाने से उनका औसतन शत-प्रतिशत रहा है। इसके अलावा रजनीश कुमार,

एडीजे ने 23 केसों में 16 केसों में, अनिल कुमार, एडीजे ने 44 केसों में 38 केसों में, मोहित अग्रवाल, एडीजे 47 केसों में 41 केसों में, रजनीश कुमार, एडीजे ने 35 में 31 केसों में व राम अवतार पारिक, एडीजे ने 2 केसों में 1 केस में सजा सुनाई गई है। यह सभी मामले मध्यम व अधिक मात्रा में आरोपियों से मिले मादक पदार्थों के एनडीपीसी एक्ट के थे, जो उपरोक्त अदालतों में विचारधीन चल रहे थे। जिसमें वार्षिक रिपोर्ट 2024 अनुसार 178 केसो में सें 220 आरोपियों को सजा सुनाई गई है। यह सभी मामले एडीजे कोर्ट में विचाराधीन थे।

उन्होंने बताया कि सरकार व उच्चाधिकारियों के दिशा व निर्देशों अनुसार एनडीपीसी एक्ट नशा संबंधी मामलों में जिला को नशा मुक्त करने का प्रयास जारी है। कोर्ट में गवाहों व सबूतों को हमारे सरकारी वकीलों के द्वारा ठोस मजबूती के साथ पेश करते हुए आरोपियों को अधिक से अधिक सजा दिलाने का उदेश्य रहता है।

सजा के प्रावधान से नशे के कारोबार से संलिप्त लोगों को भी यह संदेश पहुंचाया जा रहा है कि इस कारोबार में संलिप्त होना सलाखों के पीछे पहुंचना है।

निराश्रित बच्चों के लिए पेंशन योजना, सरकार हर माह दे रही 1850 रुपये की वित्तीय सहायता: उपायुक्त

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि जिला में 21 वर्ष तक की आयु का बच्चा जो अपने माता-पिता की सहायता अथवा देखभाल से उनकी मृत्यु होने के कारण, अपने पिता के घर से पिछले 2 वर्ष की अवधि से अनुपस्थित होने के कारण अथवा माता-पिता के लम्बी सजा, जोकि एक वर्ष से कम न हो या मानसिक व शारीरिक अक्षमता के कारण वंचित हो जाते हैं और जिनके माता-पिता, अभिभावक की सभी साधनों से वार्षिक आय दो लाख से अधिक नहीं है। वह बच्चा हरियाणा सरकार के सामाजिक न्याय एवं सहकारिता विभाग द्वारा दी जा रही वित्तीय सहायता का लाभ पात्र है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त विभाग द्वारा एक परिवार में दो बच्चों तक 1850 रुपये प्रति माह प्रति बच्चा पेंशन प्रदान की जा रही है।

उन्होंने बताया कि उपरोक्त स्कीम का लाभ लेने के इच्छुक व्यक्ति के पास बेसहारा होने का प्रमाण पत्र, बच्चों के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र व आवेदक का 5 वर्ष या उससे अधिक की अवधि का हरियाणा राज्य में निवासी होने का दस्तावेज जैसे कि फोटोयुक्त वोटर कार्ड या राशन कार्ड

आदि की स्वयं सत्यापित फोटो प्रति सहित परिवार पहचान पत्र होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आवेदक के पास यदि उपरोक्त दस्तावेजों में से कोई दस्तावेज नहीं है, तो वह कोई अन्य प्रमाण पत्र सहित 5 वर्ष से हरियाणा में रिहायश का हलफनामा दे सकता है। उन्होंने कहा कि यदि बच्चे के माता-पिता या अभिभावक किसी भी सरकार द्वारा पारिवारिक पेंशन प्राप्त कर रहा है, वो उपरोक्त स्कीम का लाभ नहीं ले पाएंगे। स्कीम का लाभ लेने के इच्छुक प्रार्थी अपने नजदीकी अंत्योदय सरल केंद्र, अटल सेवा केंद्र सहित सीएससी केंद्र पर आवेदन कर सकते हैं।

लोक जेल अदालत के आयोजन में 10 मुकदमों का हुआ निपटारा

■ नेशनल लोक अदालत का अगला आयोजन 8 मार्च को

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष चंद्रशेखर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जेल लोक अदालत का आयोजन किया। जिसमें मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव इरम हसन व सिविल जज (जूनियर डिवीजन) नितिका बंसल ने जिला कारागार में जेल लोक अदालत का आयोजन किया। इस जेल लोक अदालत में 12 मुकदमे रखे गए जिसमें से 10 मुकदमों का निपटारा हुआ। जिसमें 10 मुजरिमों को आवश्यक शर्तों पर रिहा किया गया।

इस मौके पर उन्होंने जेल में रह रहे बंदियों से बातचीत की, और उन्हें मुफ्त कानूनी सेवाओं व अपील के अधिकार से अवगत करवाया गया। वहा उन्होंने बंदियों को प्रदान की जा रही सुविधाओं का भी निरीक्षण किया।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव इरम हसन ने बताया कि जिला न्यायालय करनाल में आठ मार्च 2025 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

17 जनवरी को प्रदेशभर में होगा संविधान प्रस्तावना वाचन कार्यक्रम

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा 'हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान' के तहत 17 जनवरी को प्रातः 11.00 बजे प्रदेशभर में संविधान प्रस्तावना वाचन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सभी जिलों के लघु सचिवालयों व अन्य कार्यालयों के साथ-साथ सभी सरकारी तथा निजी विद्यालयों महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और स्थानीय निकायों (ग्राम पंचायतों नगरपालिकाओं, नगर परिषदों और नगर निगमों) में आयोजित किया जाएगा। मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा सभी प्रशासकीय सचिवों, विभागाध्यक्षों, मंडलायुक्तों, उपायुक्तों, बोर्डों व निगमों के प्रबंध निदेशकों व मुख्य प्रशासकों, राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, निगमायुक्तों, उप मंडल अधिकारियों (नागरिक) और जिला परिषदों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को इस आशय का एक पत्र लिखा गया है।

पत्र में कहा गया है कि केन्द्र सरकार द्वारा देश का संविधान अपनाने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 26 नवम्बर, 2024 से सालभर चलने वाले ऐतिहासिक समारोह की शुरूआत की गई है। यह निर्णय हमारे लोकतंत्र की उल्लेखनीय यात्रा और हमारे संस्थापक सिद्धान्तों तथा संवैधानिक मूल्यों की स्थायी विरासत को दर्शाता है। इन समारोहों का उद्देश्य संविधान में निहित मूल मूल्यों को दोहराते हुये संविधान निमार्ताओं का सम्मान करना है। संविधान प्रस्तावना वाचन कार्यक्रम भी इसी कड़ी में आयोजित किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया है। सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की ओर से संविधान प्रस्तावना के पोस्टर का डिजाइन अलग से भेजा जा रहा है।

शीतलहर व सर्दी से बचाव के लिए आमजन बरतें विशेष सावधानी: उपायुक्त

■ शीत लहर से बचाव को लेकर विशेष एडवाइजरी जारी

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने आम नागरिकों से शीतलहर व सर्दी से बचाव के लिए सावधानी बरतने की अपील की है। इन दिनों जिला में शीत लहर चल रही है। इसी के मद्देनजर सरकार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन की ओर से विशेष एडवाइजरी जारी की हुई है।

उपायुक्त ने कहा कि कि शीत लहर व सर्दी से बचने के लिए मौसम पूवार्नुमान के लिए रेडियो/टीवी/समाचार पत्र आदि से जानकारी प्राप्त कर सकते है। सर्दियों लिए पर्याप्त कपड़ों का स्टॉक करें। घर में ठंडी हवा के प्रवेश रोकने के लिए दरवाजों तथा खिड़कियों को ठीक से बंद रखें। फ्लू, नाक बहना/ भरी नाक या नाक बंद जैसी विभिन्न बीमारियों की संभावना आमतौर पर ठंड में लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण होती हैं। इसलिए इस तरह के लक्षणों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानी बरतें तथा स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों या डॉक्टर से परामर्श करें। जितना हो सके घर के अंदर रहें और ठंडी हवा, बारिश, बर्फ के संपर्क में आने से बचने के लिए कम से कम यात्रा करें। गर्म कपड़े पहनें ताकि ठंड बिल्कुल न लगे। तंग कपड़े खून के बहाव को रोकते हैं, इनसे बचें। खुद को सूखा रखें। शरीर की गरमाहट बनाए रखने के लिए सिर, गर्दन, हाथ और पैर की अंगुलियों को ढंककर रखें। गीले कपड़े तुरंत बदलें। हाथों में दस्ताने रखें। फेफड़ों को बचाने के लिए मास्क का प्रयोग करें। सिर पर टोपी या मफलर पहने, स्वास्थ्य वर्धक भोजन लें।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं। गर्म तरल पदार्थ नियमित रूप से पीएं, इससे ठंड से लड़ने के लिए शरीर की गर्मी बनी रहेगी। बुजुर्ग लोगों, नवजात शिशुओं तथा बच्चों का विशेष ध्यान रखें। ऐसे पड़ोसी जो अकेले

रहते हैं, विशेषकर बुजुर्ग लोगों का हाल चाल पूछते रहें। जरूरत के अनुसार ही रूम हीटर का प्रयोग करें, लेकिन रूम हीटर के प्रयोग के दौरान पर्याप्त हवा निकासी का प्रबंध रखें। बंद कमरों में कोयले को जलाना खतरनाक हो सकता है। क्योंकि यह कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी जहरीली गैस पैदा करती है। शराब का सेवन न करें, यह शरीर की गर्माहट को कम करता है, यह खून की नसों को पतला कर देता है, विशेषकर हाथों से जिसमें हाइपोथर्मिया का खतरा बढ़ जाता है।

सर्दी के दौरान जरूरतमंद व असहाय लोगों की मदद को लेकर उपायुक्त उत्तम सिंह ने अधिकारियों को जरुरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उपायुक्त ने अतिरिक्त उपायुक्त, सीईओ डीआरडीओ, सभी एसडीएम, सीटीएम, सिविल सर्जन, तहसीलदार, सभी नायब तहसीलदार, जिला रेडक्रॉस सोसायटी सचिव तथा शहरी स्थानीय निकाय के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, अस्पताल या अन्य सार्वजनिक स्थानों का निरीक्षण करें और जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए सामाजिक संगठनों तथा स्वयं सेवी संस्थाओं से सहयोग लें। इसके साथ ही उपायुक्त ने कृषि तथा किसान कल्याण विभाग व पशुपालन विभाग को भी निर्देश दिए है कि वे किसानों, पशुपालकों को सर्दी के मौसम में फसलों, पशुओं आदि के बचाव को लेकर जागरूक करें। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे किसानों को जागरूक करें कि शीत लहर और कड़ाके की सर्दी से फसलों को नुकसान पहुंचाता है, जिससे काली जंग, सफेद जंग, लेट ब्लाइट आदि रोग हो सकते हैं। शीतलहर अंकुरण, वृद्धि, फूल, उपज और भंडारण जीवन में कई तरह की शारीरिक रुकावटें भी पैदा करती है। उन्होंने पशु डॉक्टरों को निर्देश दिए कि पशुओं को सर्दी से बचाव व उनकी देखभाल के लिए पशुपालकों को जागरूक करें। शीत लहर के दौरान पशुओं और पशुधन को जीवन यापन के लिए अधिक भोजन की आवश्यकता होती है क्योंकि ऊर्जा की आवश्यकता बढ़ जाती है। रात के समय पशुओं के आवास को सभी तरफ से ढक दें ताकि ठंडी हवाओं के सीधे संपर्क में आने से बचा जा सके। पशुधन और मुर्गी को ठंड के मौसम से बचाव के लिए उन्हें अंदर रखें। सर्दियों के दौरान पशुओं के नीचे सूखे भूसे जैसी कुछ बिस्तर सामग्री डालें। पोल्ट्री में, पोल्ट्री शेड में कृत्रिम प्रकाश प्रदान करके चूजों को गर्म रखें।

समाजसेवी सांसद जिन्दल की पहल पर आयोजित हुआ नवीन संकल्प शिविर

■ गांव कोटड़ा में आयोजित हुआ नवीन संकल्प शिविर

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। सांसद कुरुक्षेत्र समाजसेवी नवीन जिन्दल की पहल पर संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत कलायत हल्के के गांव कोटड़ा में नवीन संकल्प शिविर का आयोजन हुआ।

शिविर का शुभारंभ गांव कोटड़ा के परशुराम भवन में गांव की सरपंच मीना देवी व सरपंच प्रतिनिधि सतबीर सिंह ने किया। नवीन संकल्प शिविर में गांव के लोगों ने विभिन्न सुविधाओं का लाभ उठाया। सांसद नवीन जिन्दल के संसदीय कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि नवीन संकल्प शिविर में 125 लोगों को परामर्श और दवाईयां दी गई जबकि 41 लोगों के टेस्ट किए गए। कोटड़ा गांव के शिविर में 35 लोगों को कागजात व नवीन जिन्दल यशस्वी छात्रवृत्ति योजना संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। उन्होंने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर नवीन संकल्प शिविरों में लोगों की सुविधा के लिए हर प्रकार के लाभ देने का प्रयास किया जा रहा है। हल्का प्रभारी कर्तव्यनिष्ठ कर्मवीर सिसोदिया ने बताया कि नवीन जिन्दल फाउंडेशन के सौजन्य से लगाए जाने वाले नवीन संकल्प शिविर आगामी 21 जनवरी को कलायत हल्के के नपा राजौंद के वार्ड पांच गांव खुरड़ा व गांव थेह बाहरी में आयोजित किये जाऐंगे।

इस अवसर पर नवीन जिन्दल फाउंडेशन टीम के डॉक्टर बलविंदर सिंह, काजल, नितिन शर्मा, राहुल शर्मा, शमशेर सिंह, राजबीर सिंह, पवन कौशिक, जोगिंदर शर्मा, भाग सिंह, सुल्तान सिंह, राजेश शर्मा और दीपक सहित अन्य मौजूद रहे।

हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के 19 जनवरी को होने वाले चुनाव के दृष्टिगत

चुनाव प्रक्रिया में सभी हिदायतों की दृढ़ता के साथ की जाए पालना

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी (एचएसजीएमसी) के 19 जनवरी को होने वाले चुनाव के दृष्टिगत बुधवार को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी प्रीति के मार्ग दर्शन में आरकेएसडी कॉलेज के हॉल में पोलिंग पार्टियों को प्रशिक्षण दिया गया।

एसडीएम कृष्ण कुमार, एसडीएम अजय कुमार व एचएसवीपी के ईओ वकील अहमद भी इस प्रशिक्षण शिविर में शामिल रहे। यह प्रशिक्षण सतबीर सिंह, अनिल कुमार, पंकज रंगा, राजेश कुमार, अरूण कुमार, आनंद वर्मा द्वारा दिया गया। प्रशिक्षकों ने बताया कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी (एचएसजीएमसी) के 19 जनवरी को चुनाव होंगे।

चुनावी प्रक्रिया का समय सुबह 8 बजे से 5 बजे तक होगा। मॉक पॉल सुबह 7 बजे से 8 बजे तक होगा। पोलिंग अधिकारियों की डयूटी के बारे में जानकारी दी गई। स्पेशल केस, कलोजिंग के समय ध्यान रखने वाली बातें तथा काउंटिंग प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। सभी पोलिंग पार्टियां 18 जनवरी को अपने-अपने बुथों पर

■ पोलिंग पार्टियों को आरकेएसडी कॉलेज के हॉल में दिया गया एचएसजीएमसी के दृष्टिगत प्रशिक्षण

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी प्रीति ने बताया कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी दृष्टिगत गुहला वार्ड नंबर 20 में 7 बूथ बनाए गए हैं, कांगथली वार्ड नंबर 21 के लिए 12 बूथ, कैथल वार्ड नंबर 22 के लिए 16 बूथ बनाए गए हैं। प्रथम रैंडेमाईजेशन के माध्यम से इन बुथों पर बैलेट यूनिट व कंट्रोल यूनिट अलाट की गई है। इसके अलावा पोलिंग पार्टियों का भी रैंडेमाईजशन करने उपरांत प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने सभी चुनाव अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि चुनाव एक महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया है। इसमें किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए। अपनी डयूटी को पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाएं, ताकि चुनाव शांतिपूर्वक एवं निष्पक्ष रूप से करवाया जा सके।

पहुंचेगी। मास्टर ट्रेनरों ने बताया कि मॉक पोल के दौरान यदि सीयू (कंट्रोल यूनिट), बीयू (बैलेट यूनिट) खराब होती है तो केवल खराब यूनिट को ही बदला जाये। यदि मतदान के दौरान कोई भी मशीन खराब होती है तो पूरा सेट को बदलना होगा। ऐसी स्थिति में मॉक पोल की प्रक्रिया पुनः दोहराई जाएगी। उन्होंने बताया कि यदि मतदान समय खत्म होने के बाद भी वोटर्स की लाईन लगी हो तो सभी के वोट डलवाना जरूरी है। इसके लिये सबसे पहले परिसर के मुख्य गेट को बंद कराया जाये, फिर पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को क्रमांक एक लिखी पर्ची दी जाये। बढ़ते क्रम में अन्य मतदाताओं को भी पर्ची देकर मतदान कराया जाये।

मास्टर ट्रेनर सीयू, बीयू और वीवीपैट तथा सील लगाने के तरीके तथा विभिन्न प्रकार के फार्म भरने के बारे में विस्तार के साथ जानकारी दी।